आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11 । अंक 172 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

!! श्रीकृष्ण शरणंमम!!

इंदौर, व भोपाल, रायपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, गुरुवार, 26 जून, 2025

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर किया एग्जीक्यूटिव लाउंज का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराईं : सीएम डॉ. यादव

प्रदेश में मेट्रो ट्रेन सहित चार ट्रैक पर रेल संचालन से व्यवस्थाओं में क्रांति आई है

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देशवासियों को विश्व स्तरीय रेल सुविधा उपलब्ध हुई हैं। पिछले 11 साल में ट्रेनों के समय पर चलने, रेलवे स्टेशनों की व्यवस्थाओं, रेल मार्ग और ट्रेनों के उन्नयन और यात्री सुविधाओं में आया सकारात्मक बदलाव क्रांति के समान है। देश में बुलेट ट्रेन, सेमी हाईस्पीड ट्रेन और मेट्रो ट्रेनों का विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में इंदौर में सबसे पहले मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई है। अब भोपाल में भी अक्टूबर से मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री मोदी को लोकार्पण के लिए आमंत्रण दिया है। प्रदेश में रेलवे एक लाख करोड़ रुपए की योजनाओं का संचालन कर रहा है। भोपाल के पास रायसेन जिले के उमरिया गांव में आगामी दो माह में रेल कोच बनाने के कारखाने का भूमि पूजन होने वाला है, यह कारखाना बीएचईएल के बराबर होगा। दिल्ली-नागदा-रतलाम का चार ट्रैक का होना रेलवे के क्षेत्र में हो रहे विकास का परिचायक है। जल्द ही भोपाल से राजगढ़ होते हुए झालावाड़ के लिए रेल सुविधा आरंभ होने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाते हुए अब भोपाल स्टेशन पर स्पेशल और वीआईपी लाउंज का शुभारंभ हो रहा है। यहां मात्र 50 रुपए में यात्रियों को सुविधा मिलेगी। वहीं एक सौ रुपए में लाउंज में रीफ्रेशमेंट भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल को विश्वस्तरीय रानी कमलापति स्टेशन की सौगात मिल चुकी है। रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 84 करोड़ की लागत से बीते दिनों नर्मदापुरम, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम और ओरछा सहित प्रदेश के 6 स्टेशनों को आधुनिक बनाने का कार्य किया है। प्रदेश से चल रहीं 4 वंदेभारत ट्रेन 14 राज्यों को कनेक्ट करती हैं। अलग-अलग जिलों में इन स्टेशनों के 18 स्टापेज हैं। वंदेभारत के रखरखाव के लिए 100 करोड़ की लागत से नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने बदलते दौर में आत्मविश्वास पाया है, प्रदेशवासियों के जीवन में भी बदलाव आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मना रही है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ, जिसमें 30 लाख करोड़ का अभूतपूर्व निवेश मिला है। प्रदेश में औद्योगीकरण को नई दिशा देने के लिए राज्य सरकार संभाग स्तर पर हर सेक्टर पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 27 जून को एमएसएमई डे के अवसर पर रतलाम जिले में उद्योग संवर्धन को समर्पित बड़ा आयोजन होने जा रहा है इससे जनजातीय क्षेत्रों को लाभ होगा।

उज्जैन सिंहस्थ के लिए भी रेलवे सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में कार्य जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन सिंहस्थ के लिए भी रेलवे सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में कार्य जारी है। रेल मंत्रालय ने इंदौर-मनमाड़ और इंदौर-दाहोद रेललाइन के लिए 18.5 हजार करोड़ की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन शुरु होने से गुना- राजगढ़ सीधे मुंबई से जुड़ेंगे। वर्तमान में दिल्ली से मुंबई जाने वाली रेलगाड़ियां ग्वालियर, भोपाल, इटारसी और खंडवा के रास्ते गुजरती है। इंदौर-मनमाड़ रेललाइन शुरु होने पर दिल्ली-मुंबई रुट पर लगभग 200 से 250 किलोमीटर दूरी कम होगी जिससे यात्रियों का समय बचेगा और प्रदेश को विकास की नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे व्यवस्था उन्नत हुई: सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे व्यवस्था उन्नत हुई है। प्रधानमंत्री मोदी की स्वच्छता को लेकर प्रतिबद्धता रेलवे संचालन के सभी पक्षों में परिलक्षित होती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी ने कहा कि रेलवे को आधुनिक बनाने और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर 10 हजार स्क्वायर फिट क्षेत्र में लाउंज में यात्रियों के आराम और खान-पान के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कार्यक्रम में विधायक आतिफ अकील, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, रवींद्र यति तथा समाज सेवी राहुल कोठारी सहित रेलवे अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे।

राहुल गांधी कांग्रेस के लिए लेकर आए हैं इमरजेंसी

इंदौर में सुधांशु त्रिवेदी बोले- कांग्रेसियों की मानसिकता अब भी हिटलरशाही वाली ही

संवाददाता ● इंदौर

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी आपातकाल पर होने वाली संगोष्ठी में शामिल होने के लिए बुधवार को इंदौर पहुंचे। उन्होंने पत्रकार वार्ता के दौरान आपातकाल के दौरान इंडिया इस इंदिरा एंड इंदिरा इस इंडिया पर चर्चा करने की साथ ही लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला।

सुधांशु त्रिवेदी ने 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल पर चर्चा की। बोले- 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने देश के लोकतंत्र की हत्या की थी, जिसे नई पीढ़ी को भूलना नहीं चाहिए। हम इसी दुखद और कलंकित अध्याय का स्मरण करने यहां उपस्थित हुए हैं। इंदिराजी देश के लिए इमरजेंसी लेकर आई थीं और अब राहुल गांधी कांग्रेस के लिए इमरजेंसी लेकर आए हैं। कांग्रेस में नेताओं के ये हाल हैं कि अगर कोई वहां सच बोलता है तो उसको नोटिस नहीं दिया जाता है, बल्कि पार्टी से ही निष्कासित कर दिया जाता है।

सुधांशु त्रिवेदी ने 1975 में चर्चित हुए 'इंडिया इस इंदिरा एंड इंदिरा इस इंडिया' के नारे पर चर्चा करने के साथ ही आपातकाल के दौरान जेल भेजे गए लोकतंत्र सेनानियों की व्यथा भी बयां की। कहा- आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर देश को यह बताना जरूरी है कि आपातकाल के बाद भी कांग्रेस और उसके नेताओं की मानसिकता हिटलरशाही वाली ही है। सुधांशु त्रिवेदी ने 1934 में हिटलर के शासनकाल के नारे को 1975 में भारत में गूंजने का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से देश में हाईकोर्ट द्वारा अयोग्य घोषित की गई तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल घोषित कर देश के पक्ष में बात करने वालों को जेलों में ठूंस दिया था। सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में ही इंदिरा गांधी के वंशज राहुल गांधी ने परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लोकसभा के निर्णय की कॉपी को सबके सामने फाड़कर यह जताया था कि सरकार और देश का कानून उनके लिए कोई मायने नहीं रखता।

ईरान ने पहली बार माना परमाणु ठिकानों को अमेरिकी हमलों से पहुंचा भारी नुकसान

एजेंसी ● तेहरान

ईरान के विदेश मंत्रालय ने पहली बार माना है कि अमेरिका के हमलों में उसके परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बाघेई ने बुधवार कहा, यह पक्का है कि हमारे परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने परमाणु केंद्रों की स्थिति और नुकसान की और अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी सेना ने अपने बी-2 स्टेल्थ बमवर्षक विमानों को भेजा था, जिन्होंने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों – (नतांज, फोर्डो और इस्फहान) पर बंकर बस्टर बम गिराए थे। पहले इस तरह की कई रिपोर्ट सामने आईं थीं कि अमेरिका ने हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बहुत गंभीर नुकसान पहुंचाया है या लगभग खत्म कर दिया है। अब ईरान ने खुद माना है कि उसके परमाणु केंद्रों को भारी नुकसान हुआ है।

ईरान और इस्राइल के बीच संघर्षविराम को ट्रंप अपनी कामयाबी बता रहे हैं और इस पर खुशी जाहिर कर रहे हैं। हेग में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि इस्राइल के हमलों में शामिल होने का उनका फैसा संघर्ष खत्म करने वाला था, जिसे उन्होंने 'सभी की जीत' बताया। ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी की प्रारंभिक रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि उसके नतीजे निर्णायक नहीं हैं। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिकी हमलों ने केवल ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कुछ महीनों के लिए पीछे धकेला है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, खुफिया जानकारी बहुत अनिर्णायक थी। खुफिया रिपोर्ट कहती है कि हमें पता नहीं। यह बहुत गंभीर हो सकता था। उन्होंने कहा, यह बहुत गंभीर था। यह विनाश था। ईरान का परमाणु कार्यक्रम दशकों पीछे चला गया है। ट्रंप ने यह भी भरोसा जताया कि तेहरान फिर से अपने परमाणु केंद्रों को बनाने की कोशिश नहीं करेगा, बल्कि समझौते के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाएगा। उन्होंने कहा, मैं आपको बताता हूं, वे अब कुछ भी समृद्ध करने की आखिरी चीज चाहते हैं। वे ठीक होना चाहते हैं।

हिमाचल में बाढ़ से तबाही, 20 मजदूर बहे, 2 के शव मिले

कुल्लू में 3 जगह बादल फटा, 3 लोग लापता, 8 गाड़ियां बहीं

एजेंसी ● शिमला

हिमाचल प्रदेश में बुधवार दोपहर को बादल फटने और भारी बारिश के कारण कुल्लू और कांगड़ा जिला में तबाही हुई। धर्मशाला के खनियारा स्थित इंदिरा प्रियदर्शनी हाइड्रल प्रोजेक्ट सोकणी दा कोट के पास मणुणी खड्ड में पानी का बहाव अचानक बढ़ गया। इससे प्रोजेक्ट में काम कर रहे 15 से 20 मजदूर तेज धारा में बह गए।

कांगड़ा के SP शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि अब तक 2 शव मिले हैं। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। मौसम ठीक रहा तो रात में सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा। घटना के वक्त सभी मजदूर खड्ड किनारे बने एक शेड में रह रहे थे। BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर दुख जताया है।

इससे पहले कुल्लू जिले में 3 जगह बादल फटने से बाढ़ आ गई। जीवा नाला में बाप-बेटी समेत 3 लोग बह गए। इसमें 8 गाड़ियां बहीं और 4 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। NHPC का शेड और एक पुल भी पानी में बह गया है। वहीं बंजार में कृषि मंत्री चंद्र कुमार और ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के कार्यक्रम में शामिल मंत्री व DC सड़क बंद होने से फंस गए।

उधर, लाहौल स्पीति में काजा समदो सड़क पर हुर्लिंग और लरी के बीच में पहाड़ी से पत्थर गिरे। इससे 2 गाड़ियों और एक बाइक को नुकसान पहुंचा है। नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन ने टूरिस्ट और लोकल लोगों को नदी-नालों के आसपास न जाने की सलाह दी है।

ईरान और इजराइल से 540 भारतीय लौटे

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंधु के तहत बुधवार को ईरान और इजराइल से 540 भारतीय नागरिक वापस लौटे। बुधवार सुबह इजराइल से 224 भारतीय लाए गए। वहीं शाम को ईरान से 296 नागरिक वापस लौटे, जिनमें 4 नेपाली नागरिक भी शामिल हैं। ईरान-इजराइल के तनाव के बीच दोनों देशों से अब तक 3154 भारतीयों को भारत लाया जा चुका है। इससे पहले 24 जून की रात 12.01 बजे 282 भारतीयों को लेकर एक फ्लाइट ईरान के मशहद से दिल्ली पहुंची थी। उधर, भारतीय दूतावास ने मंगलवार देर रात बताया था कि ईरान से भारतीयों को निकालने के अभियान को बंद कर रहे हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम हो गया है। दूतावास ने इवैक्युएशन (लोगों को निकालने) के लिए नए नामों को रजिस्टर करने के लिए खोली गई डेस्क को बंद कर दिया।

www.adityabharat.com

हर ख़बर जरूरी है पाठक के लिए...!

!! श्रीकृष्ण शरणंमम!!

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

रायपुर,इंदौर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आपके विचार लेख हमारी संपादकीय टीम को उचित लगता है तो जरूर प्रकाशित किया जाएगा...

mail id : editor@adityabharat.com

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जैन ने किया ग्राम पंचायतों का दौरा, अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्वाल घाट में 300 वर्ष पुरानी बावड़ी के जीर्णोद्धार का किया निरीक्षण

संवाददाता ● इंदौर

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन ने विकासखंड इंदौर के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के साथ-साथ अन्य शासकीय योजनाओं व संस्थाओं का आज भ्रमण सह-निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत कलारिया में शासकीय स्कूल का निरीक्षण कर छात्र-छात्राओं से चर्चा कर शैक्षणिक गुणवत्ता की स्थिति को जांचा व स्वयं भी उन्हें पढ़ाया।

भ्रमण

भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्राम के ग्वाल घाट में किए गए पौधारोपण कार्य का निरीक्षण करने के साथ-साथ जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम में लगभग 300 वर्ष पुरानी बावड़ी के जीर्णोधार कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित जनपद के अमले को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। ग्रामीणों की शिकायत पर पंचायत में स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान नहीं खुलने पर उन्होंने मौके पर ही जिला खाद्य अधिकारी को निर्देशित कर दुकान खुलवाने व नियमानुसार कार्रवाई हेतु निर्देशित किया।

2 दिन में सभी दस्तावेज पूर्ण करने के लिए कहा...

भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत श्रीराम तलावली में निर्मित किये जा रहे नवीन निर्माणाधीन अटल ग्राम सेवा सदन (नवीन ग्राम पंचायत भवन) के निर्माण कार्य का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने ग्राम पंचायत सिंहासा में भ्रमण के दौरान द्वारा पीएम श्री शासकीय विद्यालय में छात्रों से चर्चा की तथा शासन द्वारा विद्यालय को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की एवं शाला रिकार्ड का निरीक्षण किया। विद्यालय में उचित साफ-सफाई व पेयजल की पर्याप्त सुविधा नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की एवं संबंधित अधिकारियों को दो दिन में व्यवस्था सुधारने हेतु निर्देश दिये। साथ ही श्री सिद्धार्थ जैन ने ग्राम सचिवालय सिंहासा द्वारा पंचायत कार्यालय से ग्रामीणों को दी जा रही सुविधाओं व शासकीय योजनाओं की डिजिटल एंट्री कार्य का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया व इस संबंध में पंचायत के कर्मचारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की एवं दस्तावेजों का निरीक्षण भी किया। दस्तावेज अपूर्ण पाए जाने पर उपस्थित सचिव को 2 दिन में समस्त पंचायत का रिकार्ड जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अवलोकन करवाने के लिए निर्देशित किया। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुश्री प्रियंका टैगोर, जनपद के सब इंजीनियर व अन्य विकासखंड स्तरीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

शॉट न्यूज

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वॉट्सएप चैनल से जुड़ें!

भोपाल। अब मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से जुड़ना और भी आसान हो गया है! आपकी सुविधा के लिए, हमने अपना आधिकारिक वॉट्सएप चैनल शुरू किया है। ताजा अपडेट्सः बिजली आपूर्ति, रखरखाव कार्य और नई योजनाओं से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारी सबसे पहले पाएं। बिजली कटौती की सूचनाः अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी संभावित बिजली कटौती की जानकारी समय पर प्राप्त करें। शिकायत निवारणः अपनी शिकायतों या सुझावों को आसानी से हम तक पहुंचाएं। महत्वपूर्ण घोषणाएंः कंपनी द्वारा जारी की गई सभी आवश्यक घोषणाओं से अवगत रहें। आज ही हमसे जुड़ें और डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं!

कार सवार तस्कर पकड़ाए 60 लाख की एमडी जब्त

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने स्टील चौराहा वीआईपी रोड से कार सवार 4 बदमाशों को पकड़ा हैं। पकड़े गए बदमाशों से 60 लाख की एमडी ड्रग्स जब्त की गई।फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी हैं। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के नाम सुधीर चौहान निवासी जिला उज्जैन,दिलीप उर्फ दूल्हे सिंह निवासी जिला आगर धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया निवासी झालावाड़ राजस्थान व दुले सिंह निवासी जिला आगर हैं।आरोपियों के कब्जे से 57 ग्राम एमडी ड्रग्स और 1 टाटा टियागो कार जब्त की गई हैं। आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है एमडी ड्रग्स सस्ते दामों पर अन्य शहरों से लाकर शहर में सप्लाई करने का इरादा था।

घर से पाउच लेने गई लापता बालिका ट्रेन में मिली

इंदौर। तिलक नगर क्षेत्र में घर से पाऊच लेने के लिए निकली और लापता हुई 13 वर्षीय एक बालिका को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया। बालिका ट्रेन में सवार होकर वड़ोदरा (गुजरात) पहुंच गई थी। टीम ने 14 घंटे के भीतर खोजा और उसे परिजन को सौंप दिया। मिली जानकारी के मुताबिक थाना तिलक नगर पुलिस को 22 जून को इंदौर निवासी 13 वर्षीय बालिका के लापता हो जाने की सूचना बालिका की मां ने दी थी। फरियादी ने बताया कि शाम करीब 4 बजे मैं और परिवार के सभी सदस्य घर पर थे। तभी मेरी बेटी बोली कि मम्मी मैं पास की दुकान पर मसाला गुटखा पाऊच लेने जा रही हूं। ऐसा बोलकर वो घर से चली गई। शाम 6 बजे तक वह वापस नहीं आई तो उसे आसपास की दुकानों पर तलाशा, पूछताछ की लेकिन पता नहीं चला। संदेह की अज्ञात व्यक्ति मेरी बेटी को बहला फुसलाकर ले गया। इस सूचना पर से पुलिस ने तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था।

कलेक्टर ने सुनी समस्याएं, किया निराकरण

संपत्ति विवाद,अतिक्रमण और अन्य मामलों के आए आवेदन

संवाददाता ● इंदौर

कलेक्टर कार्यालय में हुई जनसुनवाई में आज कलेक्टर आशीष सिंह ने बड़ी संख्या में नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका संवेदनशीलता के साथ हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में आवास, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, निजी भूमि पर अतिक्रमण, बीमार व्यक्ति को आर्थिक सहायता आदि संबंध में आवेदन आए।

आवेदन

जनसुनवाई में प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा एवं रोजगार सहायता

भी प्रदान की गई। निर्देश दिए गये कि जो प्रकरण मौके पर निराकृत नहीं हो सकते, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर, समय-सीमा में सकारात्मक समाधान किया जाए। जनसुनवाई में आए हर आवेदन का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी भी आवेदक को दोबारा परेशानी का सामना न करना पड़े। त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों एवं मध्यस्थता केंद्रों को प्रेषित किए गए है ताकि निर्धारित समय-सीमा में इनका निराकरण हो सकें। जनसुनवाई में आज कलेक्टर कार्यालय में अपर कलेक्टरों और अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदकों की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया।

500 उद्योगपति होंगे आरआईएसई 2025 कॉन्क्लेव में शामिल

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आरआईएसई 2025 कॉन्क्लेव का आयोजन 27 जून को रतलाम के पोलो ग्राउंड में होने जा रहा है। यह रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव प्रदेश के औद्योगिक और उद्यमिता परिदृश्य को नई दिशा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है। संयुक्त संचालक उद्योग इंदौर एस. एस. मंडलोई ने बताया कि इस कॉन्क्लेव में इंदौर जिले से 500 से अधिक उद्योगपति भाग लेंगे। वे न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे, बल्कि उद्योग, नवाचार और रोजगार सृजन को लेकर चल रही योजनाओं और संभावनाओं पर संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 100 से अधिक एमएसएमई, स्टार्टअप और स्व-सहायता समूहों द्वारा नवाचारों और उत्पादों की प्रदर्शनी होगी। यह प्रदर्शनी प्रदेश के विविध क्षेत्रों के उद्यमियों को एक साझा मंच प्रदान करेगी, जिससे नेटवर्किंग, साझेदारी और निवेश के नए अवसर सृजित होंगे। इस आयोजन से युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर भी मिलेंगे, वहीं प्रदेश के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। कॉन्क्लेव में प्रदेश के वरिष्ठ मंत्रीगण, प्रशासनिक अधिकारी, औद्योगिक संगठन और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी उपस्थित रहेंगे।

सीएम के मुख्य आतिथ्य में 27 जून को रतलाम में होगा आयोजन

टाटा एआईए के दो नए फंड्स धन जुटाने और रिटायरमेंट प्लानिंग की ज़रूरतों को पूरा करेंगे

मुंबई ● एजेंसी

दुनिया की चौथी सबसे सबसे बड़ी वित्त व्यवस्था बनने की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों का साथ देते हुए, देश की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स आपके लिए लेकर आयी है जीवन बीमा से जुड़े निवेश उत्पादों के ज़रिए आपके धन को बढ़ाने और और आपके भविष्य को सुरक्षित करने का एक मज़बूत अवसर। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि कई अवसर प्रदान करती है, भारत की वृद्धि के पूरे लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किए गए दो नए फंड्स के साथ इस क्षमता का उपयोग करने में आपकी मदद के लिए हम तैयार हैं।

भारत की आर्थिक उन्नति का अधिकतम लाभ उठाने में आपकी मदद करने के लिए टाटा एआईए ने दो नए फंड डिज़ाइन किए हैंः जो लोग अपने परिवार के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करते हुए अपनी संपत्ति बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 इंडेक्स फंड जो लोग इक्विटी के आधार पर विकास के साथ एक मज़बूत रिटायरमेंट कॉर्पस बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, उनके लिए टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 इंडेक्स पेंशन फंड ये फंड 23 जून, 2025 को निवेश के लिए खुलेंगे और 30 जून, 2025 तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस न्यू फंड ऑफर (NFO) अवधि के दौरान हर यूनिट की कीमत केवल 10 रुपये रहेगी। निवेश टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस की यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस योजनाओं के माध्यम से किया जाएगा, जिससे आपको जीवन बीमा कवरेज और संभावित धन वृद्धि के दोहरे लाभ मिलेंगे।

आपको निवेश क्यों करना चाहिए?

भारत के उज्ज्वल भविष्य का लाभ उठाने के लिए : भारत की अर्थव्यवस्था विकास के लिए तैयार है। युवा कार्यबल, तेज़ी से हो रहा शहरीकरण, मज़बूत नीतिगत सुधार और 'मेक इन इंडिया' और पीएलआई योजनाओं जैसी प्रमुख पहलों का समर्थन देश के विकास प्रयासों को मिल रहा है। इन फंडों में निवेश करके आप इस आशाजनक वृद्धि से लाभ उठा सकते हैं।

सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ में निवेश: ये फंड निफ्टी 200 अल्फा 30 इंडेक्स द्वारा संचालित हैं। जिन्होंने पहले बाज़ार से बेहतर रिटर्न (अल्फा) दिया है ऐसे 30 शीर्ष प्रदर्शन करने वाले स्टॉक इसमें चुने जाते हैं। बेहतर स्टॉक चयन और उच्च वृद्धि की संभावना मिलती है।

इन्हें दीर्घकालिक धन बनाने के लिए बनाया गया : चाहे आप अपने परिवार के लिए एक मज़बूत वित्तीय आधार बनाना चाहते हों या रिटायरमेंट फंड बनाना चाहते हों, ये फंड समय के साथ आपके पैसे को बढ़ाने में आपकी मदद करने के लिए तैयार किए गए हैं - यह आपको केंद्रित, उच्च-विकास इक्विटी एक्सपोज़र देते हैं।

जीवन बीमा सुरक्षा: धन बनाने से परे, उपभोक्ता जीवन बीमा के साथ अपने परिवारों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं: टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 इंडेक्स फंड और टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 पेंशन फंड इन ट्रेंड्स का लाभ उठाने के लिए स्ट्रैटेजीकली डिज़ाइन किए गए हैं। ये फंड भारत की विकास कहानी से लाभ उठाने के लिए तैयार कंपनियों में निवेश करते हैं। चाहे आप अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हों या एक मज़बूत रिटायरमेंट फंड बनाने पर, ये फंड प्रदर्शन, सुरक्षा और विकास का आदर्श संयोजन प्रदान करते हैं।

कमर्शियल के साथ रेसीडेंशियल भी । दो मंजिला बेसमेंट में रहेगी पार्किंग

स्कीम नंबर 136 में हाई राइज मल्टियां बनाने की तैयारी में आईडीए

संवाददाता ● इंदौर

जमीन की कमी से जूझता आईडीए जल्द ही हाई राइज के लिए टेंडर जारी करेगा। इसके लिए प्लानिंग लगभग की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि स्कीम नंबर 136 में हाईराइज मल्टियां बनाने की योजना सरकार की जा सकती है। यहां हाई राइज बिल्डिंग में कमर्शियल और रेजिडेंशियल दोनों प्रकार की प्लानिंग की गई है। बताया जाता है कि आवासीय परिसर में पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए दो मंजिला बेसमेंट भी तैयार किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार कुछ वर्ष पहले भी इस प्रकार की प्लानिंग की गई, जो सफल नहीं

योजना

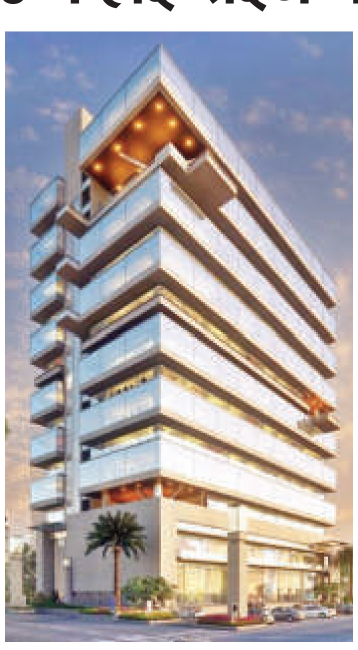

हो सकी। वर्तमान में हाईराइज बनाने की प्लानिंग को लेकर पिछले दिनों टेंडर बुलाए जाने थे, लेकिन बोर्ड की बैठक में टेंडर को लेकर निर्णय नहीं हो पाने से योजना अधर में पड़ गई है। वर्तमान में बारिश शुरू हो गई है, ऐसे में योजना के टेंडर होने के बाद भी वर्क आर्डर मानसून खत्म होने के बाद ही जारी किया जा सकेगा। योजना की अरबों रुपए की जमीन से अब आईडीए ने कमाई की योजना बनाई है। नई बिल्डिंग में दो मंजिला बेसमेंट भी पार्किंग के लिए बनाया जाएगा, ताकि यहां आने वालों को वाहन खड़े करने में असुविधा न हो। सूत्रों की मानें तो जल्द ही नई बिल्डिंग के लिए टेंडर जारी किए जा सकते हैं। नई बिल्डिंग में कमर्शियल इस्तेमाल के लिए ऑफिस और अन्य परिसर भी बनाए जाएंगे।

ग्राउंड फ्लोर पर रहेंगे कमर्शियल ऑफिस

यह कमर्शियल ऑफिस ग्राउंड फ्लोर पर रहेंगे, जबकि ऊपर की बिल्डिंग में आईडीए का पूर्ण ऑफिस संचालित होगा। नई बिल्डिंग में आईडीए कमर्शियल कार्यालय से लेकर दुकान बेचेगा और इसके लिए आगे की रुपरेखा तैयार है। आईडीए की मंशा है कि इस तरह के बिल्डिंग से अच्छा खासा राजस्व मिलेगा और एक नई सौगात भी शहर को मिलेगी। इसके लिए आईडीए तरह-तरह के जतन इन दिनों कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार इस नई बिल्डिंग मे दो मंजिला तलघर में पार्किंग रहेगी ताकि किसी तरह की परेशान न हों बल्कि और बेहतर सुविधा मिल सकती है। आईडीए सीईओ रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि हाईराइज बनाने के लिए फिलहाल प्लानिंग की जा रही है। कोशिश है कि बारिश खत्म होते-होते वर्क आर्डर जारी हो जाएं।

ACTIVA e: के लिए नया BaaS Lite प्लान सिर्फ 678/माह में उपलब्ध

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने बेंगलुरु में अपना पहला ईवी कॉन्सेप्ट स्टोर किया उद्घाटित

बेंगलुरु ● एजेंसी

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज भारत में अपना पहला ईवी कॉन्सेप्ट स्टोर बेंगलुरु के मल्लेश्वरम स्थित मंत्री स्क्वायर मॉल में उद्घाटित किया। यह अनोखा स्टोर ग्राहकों को होंडा की मोबिलिटी, तकनीक और नवाचार की दुनिया का अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसी मौके पर HMSI ने ACTIVA e: के लिए नया BaaS Lite प्लान भी पेश किया, जिसमें ग्राहक सिर्फ 678 प्रति माह देकर ईवी की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

भविष्य की झलक: होंडा का ईवी कॉन्सेप्ट स्टोर

यह नया स्टोर होंडा की तकनीकी प्रगति और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में कदमों की झलक देता है। स्टोर का मुख्य आकर्षण एक बड़ा एलईडी डिस्प्ले है, जो इंटरैक्टिव कंटेंट, ब्रांड स्टोरीटेलिंग और प्रोडक्ट हाइलाइट्स के माध्यम से आगंतुकों को आकर्षित करता है। इसके साथ ही एक इतिहास दीवार भी मौजूद है, जो होंडा की वर्षों की यात्रा और उपलब्धियों को दर्शाती है।

प्रोडक्ट डिस्प्ले ज़ोन में ACTIVA e: और QC1 जैसे होंडा के नवीनतम इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शित हैं। आगंतुक इन मॉडलों को नज़दीक से देख सकते हैं, उनकी विशेषताएं समझ सकते हैं और इनके तकनीकी पक्ष को जान सकते हैं। किड्स इंटरैक्शन ज़ोन बच्चों और परिवारों के लिए आकर्षक अनुभव प्रदान करता है, जो होंडा के समावेशी ब्रांड दृष्टिकोण को दर्शाता है।

सेफ टेक ज़ोन में ACTIVA e: और QC1 के प्रमुख तकनीकी घटकों जैसे PMS मोटर, हब मोटर, चार्जर, बैटरी और मोबाइल पावर पैक (MPP) का डेमो दिया गया है। यहां होंडा की बैटरी स्वैपिंग तकनीक भी प्रदर्शित है, जिसे Honda Power Pack Exchanger e: के माध्यम से दिखाया गया है। लाइव डेमो के जरिए इस तकनीक की सुविधा और प्रभावशीलता को दर्शाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय आकर्षण और नवाचार का संगम स्टोर में होंडा के पर्सनल एविएशन क्षेत्र को दर्शाता एक Honda Jet का स्केल मॉडल भी रखा गया है। इसके अलावा, होंडा की Electric Racing Go-Kart (eGX) भी प्रदर्शित है, जो Honda Mobile Power Pack e: स्वैपेबल बैटरियों से संचालित होती है और शानदार प्रदर्शन व कंट्रोल प्रदान करती है।

एक और विशेष आकर्षण है Honda Moto Compacto – एक फोल्डेबल इलेक्ट्रिक स्कूटर जिसका वजन सिर्फ 19 किलोग्राम है। यह शहरी यात्रा के लिए आदर्श है, जिसकी टॉप स्पीड 24 किमी/घंटा और रेंज 20 किमी है। यह होंडा की तकनीकी नवाचार और रेट्रो स्टाइल का बेहतरीन मिश्रण प्रस्तुत करता है।

ACTIVA e: का नया BaaS Lite प्लान

HMSI की स्थायी मोबिलिटी की दिशा में यह एक मील का पत्थर है। ACTIVA e: होंडा की swappable बैटरी तकनीक से लैस है, जिसे जापान स्थित Honda Motor Co. Ltd. द्वारा विकसित और भारत में Honda Power Pack Energy India Pvt. Ltd. द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसमें दो 1.5 kWh की बैटरियां होती हैं, जो 102 किमी की रेंज प्रदान करती हैं। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, होंडा ने नया BaaS Lite प्लान शुरू किया है, जिसमें ग्राहकों को केवल ₹678 प्रति माह (20 kWh एनर्जी उपयोग के लिए) भुगतान करना होगा। यह प्लान खासकर उन उपयोगकर्ताओं के लिए बनाया गया है जिनकी दैनिक यात्रा कम होती है और जो कम लागत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाना चाहते हैं। ग्राहक आसानी से होंडा की बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों पर बैटरियां बदल सकते हैं - जिससे बिना किसी झंझट के उपयोग संभव होता है। यह नया Lite प्लान, होंडा के मौजूदा Basic और Advance प्लानों के अतिरिक्त उपलब्ध होगा।

'आपातकाल की विभीषिका' विषय पर भाजपा की संगोष्ठी में अन्य वक्ताओं के साथ खुलकर बोले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

आपातकाल थोपने वाले ही इस कलंक के जिम्मेदार

संवाददाता ● इंदौर

कार्यक्रम

देश में आपातकाल लागू होने की 50वीं वर्षगांठ को बुधवार को "संविधान हत्या दिवस" के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में "आपातकाल विभीषिका" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई, देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया गया। आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान था। उन्होंने कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को जिन लोगों ने देश में आपात काल लागू किया था, वे ही इस कलंक के लिए जिम्मेदार हैं और वे कभी भी इस कलंक से मुक्त नहीं हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। उस दौर में हजारों निरपराध लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया है। आपातकाल में लोगों पर बेइंतहा अत्याचार किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के योगदान का स्मरण भी किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, पूर्व मंत्री अजय विश्नोई और विधायक महेंद्र हार्डिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। इससे पूर्व संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया।

हमारे यहां लोकतंत्र हजारों साल पहले से : सुधांशु

राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश की आजादी की दूसरी लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान किसी की भी संपत्ति जब्त की जा सकती थी। आपातकाल के दौरान लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया था और संसद की बैठक के लिए कोरम की व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल में विधायिका, कार्यपालिका और न्याय पालिका के साथ साथ मीडिया पर भी नियंत्रण किया गया था। त्रिवेदी ने कहा देश में वास्तविक लोकतंत्र आपातकाल की समाप्ति के बाद ही लागू हुआ है। देश में वैचारिक स्वतंत्रता पाने की लड़ाई आज भी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हमें "आत्म गौरव" का आभास होने लगा है। लोकतंत्र हमारे देश में 1947 से नहीं बल्कि हजारों वर्ष पूर्व से लागू रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र तो है ही, साथ ही "लोकतंत्र की जननी" भी है। प्रदेश के पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने इस अवसर पर आपातकाल में अपनी जेल यात्रा के अनुभव सुनाए। उन्होंने बताया कि 25 जून की रात में ही देश में सभी विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भी दिया गया था।

शहर के मीसाबंदियों का दर्द : 21 महीने सहन की सरकार की क्रूरता

देश के लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून का दिन एक काले अध्याय के रुप में दर्ज है। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक स्थिति गड़बड़ होने का हवाला देकर देश में आपातकाल लागू कर दिया था। 50 वर्ष पूर्ण होने पर भी इस काले काल खंड की चर्चा होती रहती है। 25 जून 1975 को लागू हुआ आपातकाल 21 मार्च 1977 तक करीब 21 माह रहा था। इस दौरान लोगों ने शासन का क्रूर चेहरा देखा था, जिसमें जनता नहीं शासन और उसके आका सर्वशक्तिमान बन बैठे थे। लोक पीछे छूट गया था और तंत्र सर्वोपरि हो गया था। आपातकाल को अब पांच दशक से भी अधिक हो गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी नीत मौजूदा केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर 25 जून को ''संविधान हत्या दिवस'' घोषित कर दिया है। यह आपातकाल के दौरान शासन की ज्यादतियों की पुनः याद दिलाने और सबक लेने के लिए मनाया जाता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने ऐसे कानूनी प्रावधान किए हैं, जिनके कारण देश में इस तरह से लोकतंत्र का कभी हनन नहीं हो सकेगा। आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों का खौफ आज भी मीसाबंदियो में है। इंदौर में भी आपातकाल का खासा असर था। सड़कें जल्दी वीरान हो जाया करती थीं। सरकारी महकमे के पास अधिक शक्तियां थी और वे अपनी मनमानी पर उतारु थे। समाचार पत्रों में हर खबर पर सेंसर की कैंची चलती थी। तरह-तरह की आचार संहिता थी, जिसका पालन करना होता था। सिनेमागृह के रात्रिकालीन शो बंद हो गए थे। कानून का रुख सख्त हो गया था। देखा जाए तो आपातकाल नागरिक स्वतंत्रता का हनन करने वाला था। उस दौर की कड़वी यादें आज भी ताजा हैं।

शॉट न्यूज

सेल्फ ड्राइव कार किराये पर लेकर गिरवी रखी

इंदौर। परदेशीपुरा पुलिस ने ऐसे तीन बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया हैं, जिन्होंने एप्प के जरिये कार किराये पर ली और फिर उसे गिरवी रख दिया। मामले में पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया हैं। परदेशीपुरा पुलिस ने फरियादी पवन पिता सुरेश सक्सेना निवासी नंदा नगर की शिकायत पर आरोपी हनीफ पिता रशीद खान निवासी सदर बाजार भिस्ती मोहल्ला, शैलेन्द्र सिंह पिता करण सिंह निवासी बारा दुआरी तेहसील नरसिंहगंज जिला राजगढ़ व मोहम्मद मोहिउद्दीन पिता अबरारुद्दीन अंसारी निवासी भिस्ती मोहल्ला सदर बाजार के खिलाफ केस दर्ज किया हैं। फरियादी ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि आरोपियों के द्वारा गत 6 जून को जूम एप के माध्यम से मेरे स्वामित्व की मारुति सुजुकी (बलेनो डेल्टा) कार क्रमांक एमपी13झेडजे5838 किराए पर चलाने के बहाने से प्राप्त की तथा उक्त कार अन्य की व्यक्ति के पास गिरवी रख कर धोखाधड़ी कर अमानत में खयानत की।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

इंदौर। बाणगंगा इलाके में युवक पर तीन आरोपियों ने चाकू से हमला किया जिसमें युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी पिता पुत्र सहित तीन लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में केस दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना नंदबाग कॉलोनी स्थित सद्गुरु स्कूल के सामने की है। फरियादी नरेंद्र पिता गणेश कुमावत निवासी पलाखेड़ी काकड़ ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि में पैदल अपने घर मरी माता चौराहा जा रहा था तभी स्कूल के सामने साहिल 27 साल के साथ तीन लोग मारपीट कर गालियां दे रहे थे। साहिल न गाली देने से मना किया तभी एक ने बोला रोहित चाकू निकाल इसे आज दान से मार देंगे फिर आशीष ने साहिल के पेट में चाकू मारने लगा तो उसने चाकू पकड़ लिया जिससे उसके हाथों की उंगलिया कट गई किसी भी रोहित ने उसे पकड़ा और मंटू यादव ने उसके सिर पर चाकू मार दिया और तीनों धमकी देकर भागगए।

खजराना के बदमाश फरहान अहमद को किया जिलाबदर

इंदौर। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने शहर में अपराध मुक्त वातावरण बनाने के लिए सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने थाना खजराना क्षेत्र के बदमाश फरहान पिता अनवर अहमद उम्र 26 साल निवासी सुपर पैलेस को जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है। उसके ऊपर अब तक थाना खजराना एवं शहर के अन्य थानों में मिलाकर कुल 17 से भी ज्यादा अपराध दर्ज हैं। जिलाबदर अवधि में बदमाश को 5 से 6 माह के लिए जिला इंदौर और उनसे लगे अन्य जिलावर्ती जिले उज्जैन, देवास, धार, खरगोन की राजस्व सीमा से बाहर रहना होगा। खजराना टीआई मनोज सिंह सेंधव ने बदमाश की आपराधिक सक्रियता को लेकर जिलाबदर की कार्रवाई का प्रकरण प्रस्तावित किया था। जिलाबदर के आदेश की तामिली की मुनादी भी करवाई गई।

देश के पहले पुलिस कमिश्नरेट में सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र का सीएम के हाथों लोकार्पण

ऐसे 22 केंद्रों में 125 मध्यस्थों ने सुलझाए 5000 से ज्यादा मामले

संवाददाता ● इंदौर

हमारे देश की प्राचीन सोच को नूतन नवीन रूप से कायम कर समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल बनाने के लिए मध्यस्थता की वर्तमान समय की मांग हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में देश के पहले पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में स्थित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के लोकार्पण के अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यस्थता से ना केवल मामलों का निपटारा होता है अपितु समाज में आपसी विश्वास पैदा होता हैं। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता की सोच को मध्य प्रदेश सरकार गांवों तक ले जाने के प्रयास करेगी जिससे गांवों में भी परस्पर सौहार्द्र का माहौल बन सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक तानेबाने से सुचारू संचालन के लिए जरूरी है कि पारिवारिक रिश्तों की मजबूती बने रहे। उन्होंने इंदौर पुलिस कमिश्नरेट, जिला प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण को बधाई देते हुए कहा कि यह पुण्य कार्य के लिए सराहनीय मॉडल है। पुलिस कमिश्नरेट इन्दौर एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में कार्यालय पुलिस आयुक्त पलासिया में नवनिर्मित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यपालिक अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण म.प्र. उच्च न्यायालय जस्टिस संजीव सचदेवा एवं प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय मध्यस्थता समिति जस्टिस विवेक रूसिया की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट , सांसद शंकर लालवानी, उच्च न्यायालय के जजेस, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह एवं इंदौर के मध्यस्थ उपस्थित थे। प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय मध्यस्थता समिति जस्टिस विवेक रूसिया ने बताया कि इंदौर में इंदौर में 22 मध्यस्थता केंद्रों में 27 विभिन्न सामाजिक समूहों के 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों का सुलझाया गया।

शास्त्री ब्रिज से कूदकर युवक ने दी जान

इंदौर। आज सुबह एक युवक ने रेलवे स्टेशन के समीप शास्त्री ब्रिज से छलांग दी। उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान नही हो पाई है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना आज सुबह करीब 7.30 बजे की बताई गई है। ग्वालटोली थाना प्रभारी संजू कामले के मुताबिक ब्रिज के समीप स्थित ऑटो स्टैंड पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी ऑटो रिक्शा चालकों ने बताया कि शास्त्री ब्रिज के ऊपर युवक पहुंचा और उसने अचानक छलांग मार दी थी। वह सिर के बल गिरा और खून से लतपथ हो गया था। मृतक के पास न तो मोबाइल फोन और न ही पहचान के कोई दस्तावेज मिले है। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। जांच जारी है।

सब्जी खरीद रही महिला की चैन चुराई

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में महिला के गले से सोने की चेन चुराने की घटना हुई। घटना उसे वक्त हुई जब महिला सब्जी खरीद रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी प्रीति पति प्रताप सिंह भदोरिया 48 साल निवासी करोलबाग ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह कल दोपहर इंदौर उज्जैन रोड स्थित सिद्धार्थ होटल के सामने सब्जी खरीद रही थी इसी दौरान उसके गले से दो तोले की सोने की चेन पेंडल सहित अज्ञात महिला ने चुरा ली। प्रीति घर पहुंची तो गले में चैन नहीं देख कर उसके होश उड़ गए। परिजन के साथ थाने पहुंचकर केस दर्ज कराया। प्रीति ने पुलिस को बताया कि घटना के वक्त दो अज्ञात महिलाएं भी उसके आसपास घूम रही थी। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया। इसी प्रकार फरियादी वंदनापति राजेंद्र जैन निवासी कालानी नगर ने पुलिस को बताया कि वह सुपर कॉरिडोर चौराहे पर रिक्शा का इंतजार कर रही थी तभी बिना नंबर की बाइक पर सवार दो अज्ञात बदमाश बैग छीनकर भाग गए जिसमें मोबाइल फोन, नकदी 1845 रुपए और अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। पुलिस ने केस दर्ज किया।

565 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया

मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों को समर्पित किया छह मंजिला 'स्नेह धाम'

संवाददाता ● इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 18 करोड़ की लागत से तैयार 'स्नेह धाम' का बुधवार को लोकार्पण किया। इसके साथ ही 565 करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। कार्यक्रम स्टार चौराहा इंदौर में आयोजित किया गया। यहां डॉ. यादव ने कहा कि हर दौर में विकास के मामले में इंदौर अग्रणी बना रहेगा।

वृद्धजनों के लिए बनाए गए स्नेह धाम का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि आजकल बच्चा-बच्ची कहीं काम करने चले जाते हैं, तो माता-पिता अलग रह जाते हैं। ऐसे में यह स्नेह धाम उनके काम आएगा। यह एक अच्छा प्रयोग है। सीएम ने कहा कि संयुक्त परिवार में बुजुर्ग घर की शोभा होते थे, लेकिन आज आपाधापी की जिंदगी में यह एक चुनौती है। उन्होंने कहा इंदौर सिर्फ स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि सामाजिक नवाचारों और जनकल्याण की दिशा में भी लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है और आगे भी निभाता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रकल्प केवल सामाजिक सुरक्षा नहीं बल्कि सुरक्षित आवास सुविधा भी सुनिश्चित करता है। यह अपने आप में एक बड़ा और संवेदनशील कदम है, जो वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाता है। बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुरक्षा हमारी संस्कृति व परंपरा का अभिन्न अंग है। कार्यक्रम को राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने लगभग 90 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया और 476 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, मनोज पटेल, गोलू शुक्ला, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और संभागायुक्त दीपक सिंह सहित अन्य अतिथि मौजूद थे।

18 करोड़ की लागत से बना भवन - स्नेह धाम का निर्माण 18 करोड़ की लागत से हुआ है। इसमें 32 फ्लैट बनाए गए हैं। यह परियोजना वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सुरक्षित और सुलभ आवास देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। 6 मंजिला इस भवन में बुजुर्गों के लिए धार्मिक-आध्यात्मिक पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय, दो लिफ्ट, 24x7 पानी, बिजली, गीजर, स्टडी टेबल, सोफा, टीवी, फ्रिज, माइक्रोवेव सहित कई सुविधाएं हैं। कॉल करने पर चाय, नाश्ता, भोजन की रूम सर्विस भी रहेगी।

प्रदर्शनी का अवलोकन

25 जून 1975 को लगे आपातकाल के घटनाक्रम पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, पूर्व मंत्री अजय बिश्नोई, विधायक रमेश मेंदोला और भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने किया।

आपातकाल के 50वां वर्ष होने पर हुए कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता विक्रम वर्मा, सांसद शंकर लालवानी सहित अन्य शामिल

इंदिरा गांधी फिर चुनाव जीततीं तो मुगलिया सल्तनत जैसा राज चलातीं : वर्मा

संवाददाता ● इंदौर

सेमिनार

भाजपा जिला इंदौर द्वारा आपातकाल के 50वां वर्ष पर आयोजित सेमिनार पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ नेता विक्रम वर्मा, सांसद शंकर लालवानी, प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिसोदिया, विधायक उषा ठाकुर, मधु वर्मा, जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा, निवर्तमान जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा, रवि रावलिया, पूर्व विधायक विशाल पटेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोपालसिंह चौधरी, कंचनसिंह चौहान, देवराज सिंह परिहार, राधेश्याम यादव, सुभाष चौधरी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सेमिनार को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रात को 11:45 बजे बिना कैबिनेट, बिना प्रावधान और बिना मीटिंग किए ही आपातकाल लगाने का प्रस्ताव दिया, उसे राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट जाने पर रोक लगा दी, अपील भी नहीं की जा सकती थी, एक तरह से लोकतंत्र पर कुछ लोगों का कब्जा हो गया। राष्ट्रपति कैबिनेट के अप्रूवल देखता है, लेकिन आपातकाल लगाने की इतनी जल्दी थी, उन्हें डर था, कि 25 जून से आंदोलन खड़ा न होगा तो लोग उसमें शामिल होंगे, उससे पहले ही लोगों को जेलो में डाल दो, जो जहाँ था, उसे उसी जगह जेलों में ठूंस दिया गया। उन्होंने कहा कि आप कल्पना कीजिए कि 50 साल पहले देश में क्या चल रहा था, आज उनका पोता संविधान की किताब लेकर घूमता है, शर्म नहीं आती? ये बात बताना चाहिए तुमने संविधान पढ़ा भी है संविधान में क्या है जरा पूछिये इनसे। जो प्रावधान बदले गए थे, उनके एक एक हिस्सा निकालिये, इन्टरनेट पर सब मिल जाएगा, कि क्या क्या प्रावधान थे। इंदिरा ने खुद को आजीवन राष्ट्रपति बनाने के लिए संविधान में बदलाव किए थे, यदि यह प्रावधान हिंदुस्तान में लागू हो जाता, इंदिरा चुनाव जीत जाती, वापस कांग्रेस की सरकार बन जाती तो हिंदुस्तान एक कारावास बन जाता। एक तानाशाह जैसे आज हम पश्चिमी देशों में देख रहे हैं वह बैठ जाता और आपके अधिकार छिन जाते। यदि उस समय लोग हिम्मत खो देते तो लोकतंत्र जिंदा नहीं रहता तानाशाही इस देश के अंदर होती। एक खानदान का राज होता और वह खानदान जो चाहता मुगलिया सल्तनत जैसी सल्तनत चलती।

कांग्रेस फैला रही भाजपा के खिलाफ भ्रम

उसके क्या दुष्परिणाम होते आप कल्पना कीजिए। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक और लोकतंत्र की रक्षा करने वाले ये पुरोधा जो आपके सामने बैठे हैं उन्होंने लोकतंत्र को बचाने के लिए लंबा संघर्ष किया, लंबी लड़ाई लड़ी है। आज फिर देश को अराजकता की और ले जाने की कोशिश हो रही है। देश की सेना का मनोबल तोड़ने की कोशिश हो रही है। पहली बार पाकिस्तान के अंदर घुस कर 9 आतंकी अड्डों को नष्ट करना, ये किसी और प्रधानमंत्री की ताकत नहीं थी, ये प्रधानमंत्री मोदी की ताकत थी, लेकिन सवाल उठाए जा रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर प्लेन नष्ट हुए? कांग्रेस फिर अपने नक्शेकदम पर चल रही है। उनके नेता फिर से जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। जो गलतियां उनके पूर्वजों ने की वही दोहराई जा रही है। सीजफायर पर सवाल उठाए जा रहे हैं? हमारे प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है ऑपरेशन सिंदूर चालू है, यदि वहां एक गोली चलेगी तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा, लेकिन कांग्रेस द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है।

संत वचन

फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। हमने इफिसुस के विश्वासियों को प्रेरित पौलुस का अभिवादन सुना, जिसमें उन्होंने उन सभी को उनके प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह में उद्धार की याद दिलाई, जिसके बारे में वे और अन्य प्रेरित और मिशनरी घोषणा करते रहे थे, और उन्हें याद दिलाया कि प्रभु में उद्धार मसीह के द्वारा और जो कुछ भी उन्होंने अपने शिष्यों और कलीसिया के माध्यम से उन पर प्रकट किया था, उसके द्वारा आया था, न कि अन्य माध्यमों जैसे कि ईश्वर की व्यवस्था और आज्ञाओं के पालन के माध्यम से, जैसा कि यहूदी पृष्ठभूमि से आए कुछ धर्मांतरित लोगों ने, विशेष रूप से फरीसी और व्यवस्था समूह के शिक्षकों ने दावा किया था और वे शेष कलीसिया और ईसाई विश्वासियों पर यहूदी रीति-रिवाजों और तरीकों को लागू करना चाहते थे।

प्यासे को कुएं तक जाना पड़ता है, कुआं उसके पास नहीं आता

प्रिय छात्रो, विश्वविद्यालय करियर सेवा केंद्र छात्रों को ऑन-कैंपस इंटर्नशिप के अवसर खोजने और उन्हें तैयार करने में मदद के लिए समर्पित है। हमारा लक्ष्य नियोक्ताओं और छात्रों के साथ मिलकर ऐसा अनुभव देना है जो सीखने, पेशेवर विकास और उत्पादकता को बढ़ावा दे। हम विभिन्न प्रकार के इंटर्नशिप अवसर प्रदान करते हैं, जिनमें शामिल हैं: मार्केट रिसर्च इंटर्न, डेटा एनालिस्ट, हेल्थ असिस्टेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपर, ऑफिस असिस्टेंट, आईटी असिस्टेंट और स्टूडेंट इन्फ्लुएंसर। इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक छात्र ७७७७७(विश्वविद्यालय कर्मचारी का नाम) @७७७18@ ँ्झ्रे पर अपने मुख्य और एक वैकल्पिक ईमेल पते के साथ संपर्क कर सकते हैं, ताकि आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। शुभकामनाएं, विश्वविद्यालय करियर सेवा और पेशेवर विकाससतही तौर पर देखें, तो ये डमी लैटर अच्छी तरह तैयार और व्यवस्थित मैसेज लगता है। हालांकि, यदि थोड़ा गहराई में जाएं, तो एक बड़ी खामी दिखतीहै- इसमें ईमेल एड्रेस यूनिवर्सिटी का नहीं, बल्कि एक सामान्य जीमेल है। अब बेंगलुरु की बात करें। वहां कई छात्र, ऑनलाइन इंटर्नशिप की पेशकश करने वाले ठगों का शिकार बन गए हैं, और उन्हें नहीं पता था कि भुगतान करने और ऑफर स्वीकार करने से पहले जांच करनी चाहिए।

ये सब कैसे हो रहा है? पहले ये ठग इंटर्नशिप वेबसाइट्स के नाम से विद्यार्थियों के वॉट्सएप ग्रुप में घुस जाते हैं। पैसा ऐंठने से पहले ये वेबसाइट्स छात्रों के रिज्यूम को मजबूत करने के लिए मुफ्त इंटर्नशिप का विज्ञापन करती हैं। ये प्रक्रिया विद्यार्थियों के बीच गूगल फॉर्म भेजने से शुरू होती है। फिर कुछ दिन बाद हर विद्यार्थी से 250 से 500 रु. की फीस मांगी जाती है। कई ने दावा किया कि एक बार पैसा लेने के बाद आगे की प्रक्रिया के बारे में बहुत कम या बिल्कुल भी जानकारी नहीं होती। अंतिम वर्ष के छात्र अर्जुन का कहना है कि ह्यमैंने सोचा कि 450 रुपए देने के बाद मुझे कंटेंट राइटिंग का अनुभव मिलेगा।ह्व लेकिन पैसा देने के बाद महसूस हुआ कि वहां कुछ भी वास्तविक काम नहीं था। बस कुछ सामान्य से निर्देश और एक प्रमाणपत्र का खाका शेयर कर दिया गया था। सिर्फ बेंगलुरु ही नहीं, पूरी दुनिया में ऐसे घोटाले अब आम हैं। विद्यार्थियों को इंटर्नशिप अवसरों के लिए निशाना बनाने वाले ठग अक्सर ऐसे ही संदेश इस्तेमाल करते हैं। ये वैध कंपनियों की भांति लग सकते हैं। यहां ठगी के कुछ सामान्य हथकंडों की जानकारी है।

ये सब कैसे हो रहा है? पहले ये ठग इंटर्नशिप वेबसाइट्स के नाम से विद्यार्थियों के वॉट्सएप ग्रुप में घुस जाते हैं। पैसा ऐंठने से पहले ये वेबसाइट्स छात्रों के रिज्यूम को मजबूत करने के लिए मुफ्त इंटर्नशिप का विज्ञापन करती हैं। ये प्रक्रिया विद्यार्थियों के बीच गूगल फॉर्म भेजने से शुरू होती है। फिर कुछ दिन बाद हर विद्यार्थी से 250 से 500 रु. की फीस मांगी जाती है। कई ने दावा किया कि एक बार पैसा लेने के बाद आगे की प्रक्रिया के बारे में बहुत कम या बिल्कुल भी जानकारी नहीं होती।

बिना आवेदन के ऑफरः ठग अक्सर उन्हें ईमेल-मैसेज भेजते हैं, जिन्होंने किसी पद के लिए आवेदन ही नहीं किया होता। इन ईमेल में दावा किया जाता है कि वह ह्यचुने गए हैंह्व या ह्यसोशल साइट्स पर उनकी रुचि देखी गई है।ह्व याद रखें, वैधानिक कंपनियां उस व्यक्ति को नौकरी या इंटर्नशिप की पेशकश नहीं करती, जिन्होंने आवेदन ही नहीं किया हो। नौकरी का झूठा विवरणः यदि कोई नौकरी का प्रस्ताव व्यवहारिकता से परे लगे तो यकीन मानिए कि यह झूठा है। यदि नौकरी की जानकारी अस्पष्ट है, कम काम के बदले ज्यादा तनख्वाह का वादा करता है तो यह सच्चा नहीं है। मुझे एक बात बताओ कि कौन-सी कंपनी इतनी दयावान होगी कि वह बिना काम के ही आपको अधिक पैसा दे। दवाब बनानाः यदि कोई ठग आप पर ऑफर को स्वीकार करने के लिए दवाब बना रहा है, जल्दबाजी कर रहा है तो मान लीजिए कि यह शुद्ध तौर पर घोटाला है। याद रखें कि यदि इंटर्नशिप वास्तविक है तो बाजार में आपके जैसे हजारों अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने बहुत पहले ही इस मौके को लपक लिया होता। चयन प्रक्रिया में हर किसी को जूझना पड़ता है। निजी जानकारी या पैसा मांगनाः जो कंपनियां इंटर्नशिप का प्रस्ताव देती हैं, वो कभी निजी जानकारी या पैसा नहीं मांगती। यदि ऐसा है तो यह स्पष्ट तौर पर घोटाला है। फंडा यह है कि यदि आप अवसर, नौकरी या महज लोन की भी तलाश कर रहे हैं तो इन्हें देने वाले लोग आपके पास कभी नहीं आएंगे। आपको ही उनके पास जाना पड़ेगा। यदि बात इसके विपरीत है तो यह निश्चित ही घोटाला है। सावधान रहिए।

पाकिस्तान को अमेरिका की दोस्ती भारी पड़ने वाली है

एक कहावत है कि घी गिरा तो खिचड़ी में। इसका मतलब यह है कि किसी कीमती चीज का छोटा नुकसान भी कभी-कभी आपके खाते में मुनाफे की तरह जुड़ जाता है। अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोलने के बाद भारत भी आज आश्चर्यजनक रूप से खुद को ऐसी स्थिति में पा रहा है, जिसमें उसे कुछ कूटनीतिक स्पेस मिल रहा है। ट्रम्प ने बार-बार, और काफी नासमझीपूर्ण तरीके से भारत को पाकिस्तान के समकक्ष खड़ा करके उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। वे अब तक कम से कम एक दर्जन से ज्यादा बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष-विराम कराने का श्रेय ले चुके होंगे। लेकिन अब ईरान पर अमेरिका की बड़ी कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के आलोचक इस बात को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे कि ट्रम्प पाकिस्तान की तारीफ करने और भारत के परिपक्व कूटनीतिक रुख को कमतर आंकने में क्यों जुटे हुए थे।

वास्तव में यह भारतीय कूटनीति का पतन नहीं था, बल्कि यह पाकिस्तान पर अमेरिका की भू-रणनीतिक निर्भरता के कारण हुआ था, क्योंकि वह अमेरिका के जानी दुश्मन ईरान के साथ अपनी सीमा साझा करता है। पिछले एक महीने से ट्रम्प के बेकाबू बयानों और भारत-अमेरिका के बिगड़ते रिश्तों को लेकर मोदी की कड़ी आलोचना हो रही थी। लेकिन जैसा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने कई बार कहा है कि क्रिकेट मैच में हर ओवर की हर गेंद पर रन नहीं बनाए जा सकते, लेकिन इसके बावजूद कोई प्रतिभाशाली बल्लेबाज शतक लगाकर टीम को मैच जिता सकता है। कई लोगों को लग रहा था कि पाकिस्तान में क्रिप्टोकरंसी के निजी सौदे करके ट्रम्प भारत को नुकसान पहुंचा रहे थे, लेकिन उन पर इससे कहीं ज्यादा दबाव था। मध्य-पूर्व के इतिहास को बनाने और बिगाड़ने में आज अमेरिका के हित दांव पर लगे हैं। पाकिस्तान अमेरिका के लिए एक पेंच था। और उसे उस बड़ी मशीनरी में कसकर फिट किया जाना था, जिसे परमाणु महत्वाकांक्षाओं वाली इस्लामी क्षेत्रीय ताकत ईरान को कुचलना था। अगर पीछे मुड़कर देखें तो आज भारत द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे महत्वपूर्ण युद्धों में से एक से सुरक्षित दूरी पर है।

ट्रम्प ने खुद ही भारत को अमेरिकी पोजिशन से दूर रखकर हमारा काम आसान कर दिया। ट्रम्प की भारत विरोधी बयानबाजी भारत को ईरान पर हमले के दाग से बचने में मदद करेगी। ईरान से भारत के सभ्यतागत संबंध हैं। ईरान ने भले ही कई मामलों में भारत की सक्रिय मदद नहीं की हो, लेकिन चूंकि भारत ने उसके साथ एक दीर्घकालिक गैस समझौता किया है, इसलिए उसने कभी भी भारत के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया है। ईरान और भारत के बीच स्थिर व्यापार अनुबंध तो हैं ही, दोनों के लोग भी परस्पर संपर्क में रहते आए हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान को ट्रम्प का ह्यमजबूत समर्थनह्व उसके फील्ड मार्शल असीम मुनीर के लिए घातक साबित हो सकता है। अब यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान ने बलूचिस्तान के क्वेटा एयरबेस का इस्तेमाल करने के अमेरिकी दबाव के सामने घुटने टेके हैं। दुनिया जान गई है कि ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में एक लंच के बदले मुनीर से कई गुना ज्यादा वसूल कर लिया है। याद रखें कि यह युद्ध ईरान बनाम इराक युद्ध की तरह एक साम्प्रदायिक संघर्ष नहीं है, न ही यह शिया बनाम सुन्नी की लड़ाई है। कोई चाहे तो इसे जल्दबाजी में सभ्यताओं का टकराव करार दे सकता है। लेकिन यह ओसामा बिन लादेन को खोज निकालने जैसा एकसूत्रीय अमेरिकी अभियान भी नहीं है। ट्रम्प श्वेत ईसाई वर्चस्व की राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो वह सिर्फ एक शिया देश पर हमला नहीं कर रहा होता है। ऐसे में पाकिस्तान का अमेरिका के अंगूठे के नीचे काम करना मुनीर के लिए आत्मघाती साबित होगा। अब आपको समझना चाहिए कि अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के तुरंत बाद मोदी ने जो पहला ट्वीट किया, उसमें उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ अपनी बातचीत के बारे में क्यों बताया था। मोदी ने कहा कि उन्होंने हालात पर गहरी चिंता जताई है और तत्काल तनाव कम करना, बातचीत और कूटनीति ही आगे का रास्ता है।

एडिट.नोट

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन - लेखक

अवैध घुसपैठ पर भारत का साफ संदेश

हर देश की अपनी सीमाएं होती हैं, और उन सीमाओं की रक्षा करना किसी भी राष्ट्र की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। जब कोई व्यक्ति बिना वैध दस्तावेजों के, छुपकर या नियमों को तोड़ते हुए किसी देश में प्रवेश करता है, तो उसे ह्लअवैध घुसपैठियाह्व कहा जाता है। भारत में भी कई वर्षों से अवैध घुसपैठ की समस्या बनी हुई है, विशेषकर बांग्लादेश से आने वाले लोगों की संख्या चिंताजनक रही है। अब भारत सरकार ने इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है और साफ संदेश दिया है कि अवैध घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अवैध घुसपैठ क्या है? अवैध घुसपैठ का अर्थ है कि कोई व्यक्ति किसी देश की सीमा में बिना वैध पासपोर्ट, वीजा या दस्तावेजों के प्रवेश करता है। यह प्रवेश चोरी-छिपे होता है, जिससे न केवल देश की सुरक्षा को खतरा होता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संतुलन भी प्रभावित होता है।

समस्या की गंभीरता भारत के पूर्वी हिस्सों, विशेषकर पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा और बिहार में लंबे समय से बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौजूदगी देखी जा रही है। ये लोग आम नागरिकों की नौकरियों, संसाधनों और सुविधाओं पर भी असर डालते हैं। इसके अलावा, कई बार इन अवैध लोगों में से कुछ अपराधों में भी लिप्त पाए जाते हैं, जिससे आंतरिक सुरक्षा को खतरा होता है।

भारत सरकार की सख्ती हाल ही में सरकार ने 2369 अवैध घुसपैठियों की पहचान की है और उनकी नागरिकता की पुष्टि के लिए बांग्लादेश से अनुरोध किया है। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन लोगों को बांग्लादेश वापस भेजा जाएगा। यह कदम स्पष्ट रूप से बताता है कि भारत अब अपनी सीमाओं और नागरिकता कानूनों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगा।

इस कदम की आवश्यकता क्यों थी?

1. राष्ट्रीय सुरक्षाः अवैध प्रवासी अक्सर निगरानी से बाहर होते हैं, जिससे देश की सुरक्षा प्रणाली को खतरा होता है। 2. सामाजिक तनावः ये घुसपैठिए सीमित संसाधनों जैसे नौकरी, शिक्षा, पानी, स्वास्थ्य आदि में भागीदारी करते हैं, जिससे स्थानीय लोगों में असंतोष उत्पन्न होता है। 3. राजनीतिक अस्थिरताः अवैध नागरिकों का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कई बार देखा गया है, जिससे लोकतंत्र पर भी असर पड़ता है। 4. आर्थिक बोझः सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर ये लोग सरकारी खर्च बढ़ाते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ता है।

भारत का रुख और भविष्य की दिशा भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब नागरिकता और पहचान के आधार पर ही देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। यह कदम केवल बांग्लादेशी घुसपैठियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों पर भी सख्त निगरानी होगी। इसके लिए सरकार ने ठफ्छ (ठं३ङ्मल्लं’ फ्ीॅ्र२३ी१ ङ्ा ड३्र९ील्ल२), उअअ (ड३्र९ील्ल२ँ्रस्र ओल्लीेल्ल३ अू३) जैसे कदम उठाए हैं। ह्लराष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरिह्व सिर्फ एक नारा नहीं बल्कि भारत की नीति बन चुकी है। अवैध घुसपैठ न केवल एक देश की सीमाओं का उल्लंघन है, बल्कि उसकी संप्रभुता और विकास में भी बाधा है। भारत सरकार का यह सख्त संदेश स्वागत योग्य है और इससे न केवल देश की सुरक्षा मजबूत होगी बल्कि सामाजिक व्यवस्था भी सुदृढ़ बनेगी। हर नागरिक को चाहिए कि वह इस पहल का समर्थन करे और देश की अखंडता को बनाए रखने में सहयोग दे।

बिजनेस

11 साल में 27 करोड़ भारतीय अत्यधिक-गरीबी से बाहर निकले

नई दिल्लीः नई दिल्ली। भारत में 11 साल में 269 मिलियन यानी करीब 27 करोड़ लोग एक्सट्रीम पॉवर्टी यानी अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। यह बात वर्ल्ड बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कही है। वर्ल्ड बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, एक्सट्रीम पॉवर्टी रेट 2011-12 में 27.1% से घटकर 2022-23 में केवल 5.3% रह गई है। वहीं 11 साल में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 344.47 मिलियन (34.44 करोड़) से घटकर 75.24 मिलियन (7.52 करोड़) रह गई है। इस हिसाब से देखा जाए तो 269 मिलियन यानी करीब 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया।

गरीबी में कमी के पीछे 5 राज्यों का दो-तिहाई योगदान यह प्रोग्रेस पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में पॉलिसी इनिशिएटिव और इकोनॉमिक रिफॉर्म्स के चलते देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 5 राज्यों- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 2011-12 में देश के 65% अत्यंत गरीब लोग थे। अब इन 5 राज्यों ने ही 2022-23 तक राष्ट्रीय गरीबी में कमी में दो-तिहाई का योगदान दिया है।वर्ल्ड बैंक ने गरीबी का आकलन 3.00 डॉलर प्रति दिन (2021 की कीमतों) की इंटरनेशनल पॉवर्टी लाइन के अनुसार किया है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में तेज गिरावट को दर्शाती है। इसी अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4% से घटकर 2.8% प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7% से घटकर 1.1% पर आ गई है।

2.15 डॉलर प्रति दिन (2017 की कीमतों) के पहले के बेंचमार्क का हिसाब से देखा जाए, तो गरीबी दर 2011-12 में 16.2% से घटकर 2022 में सिर्फ 2.3% रह गई है। इस सीमा से नीचे रहने वाले भारतीयों की संख्या 2011 के 205.93 मिलियन (20.59 करोड़) से घटकर 2022 में 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई है। मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी भी 53.8% से घटकर 15.5% रह गई भारत ने मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी यानी बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी बड़ी कामयाबी हासिल की है। मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (टढक) हेल्थ, एजुकेशन और स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग में कमी दर्शाता है। मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी 2005-06 में 53.8% थी, जो 2019-21 में घटकर 16.4% और 2022-23 में गिरकर 15.5% रह गई। यह उपलब्धि गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़ा कदमः ढट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई ढट आवास योजना, ढट उज्ज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का परिणाम बताया। सरकार की इन पहलों से हाउसिंग, क्लीन कुकिंग फ्यूल, बैंकिंग सर्विसेज और हेल्थकेयर तक लोगों की पहुंच में विस्तार हुआ है।

ढट मोदी ने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इन्क्लूजन और ट्रांसपेरेंसी पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं, जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला है। आवास योजना से लोगों को घर मिले, उज्ज्वला योजना से स्वच्छ रसोई गैस कनेक्शन, जन धन योजना से बैंक खाते और आयुष्मान भारत से मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (उइळ), डिजिटल सर्विसेज और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

भारत में सस्ते दामों पर मक्का-सोयाबीन बेचने पर अड़ा अमेरिकाः इससे भारतीय किसानों को नुकसान

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील, कृषि उत्पादों पर इम्पोर्ट ड्यूटी के चलते बीच में अटक गई है। ट्रेड डील के लिए अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड (ऋट) फूड जैसे मक्का और सोयाबीन पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग कर रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका चाहता है कि ये प्रोडक्ट भारत में सस्ते बिकें। वहीं भारत सरकार किसानों को नुकसान से बचाने के लिए इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं घटाना चाहती। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि अगर अमेरिका के सस्ते ऋट फूड भारत में आ जाएंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बिकना मुश्किल हो जाएगी।

ऐसे में डील पर असमंजस बना हुआ है। 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले इसका हल निकलना मुश्किल लग रहा है। यहां सवाल जवाब में जानें ट्रेड डील नहीं होने पर भारत को क्या नुकसान होगा...

ये ट्रेड डील क्या है और इसका मकसद क्या है? ये भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर इम्पोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) कम करके व्यापार बढ़ाना चाहते हैं। भारत चाहता है कि उसके टेक्सटाइल, चमड़ा, दवाइयां, और कुछ इंजीनियरिंग सामान पर अमेरिका में जीरो टैक्स लगे, जबकि अमेरिका अपने कृषि और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारत में बाजार चाहता है।जवाबः डील को 9 जुलाई 2025 तक फाइनल करने की कोशिश है। अगर इस तारीख तक कोई सीमित समझौता नहीं हुआ, तो भारत के सामान पर अमेरिका 26% शुल्क लगा सकता है।

अमेरिका की मांगें क्या हैं? अमेरिका चाहता है कि भारत ऋट फसलों (मक्का, सोयाबीन) और अन्य कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करे। साथ ही, वो मेडिकल डि-वाइसेज पर टैरिफ और डेटा लोकलाइजेशन नियमों में ढील चाहता है। अमेरिका अपने डेयरी उत्पादों, गाड़ियों, और व्हिस्की जैसे सामानों के लिए भी कम शुल्क की मांग कर रहा है। भारत ने अमेरिका की मांगों को मानने से इनकार कर दिया, खासकर कृषि और डेयरी बाजार खोलने की मांग को। भारत का कहना है कि इससे लाखों गरीब किसानों को नुकसान होगा। भारतीय उत्पाद, अमेरिकी उत्पादों से मुकाबला नहीं कर पाएंगे। भारत ने कहा है कि अगर अमेरिका ने स्टील और ऑटोमोबाइल पर शुल्क लगाए, तो हम भी जवाबी शुल्क लगाएंगे।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम ने जम्मू में भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ के कारण तवी नदी के बीच में फंसे एक व्यक्ति को बचाया।

सोना 106 गिरकर 97,157 पर आयाः चांदी 1,096 फिसलकर 1.05 लाख किलो बिक रही

नई दिल्लीः सोने-चांदी के दाम में आज यानी 23 जून को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्इखअ) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 2085 घटकर 97,157 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 98,691 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 1096 बढ़कर 1,07,063 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,06,775 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्लीः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,840 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,450 मुंबईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300

कोलकाताः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300 चेन्नईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300 भोपालः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,740 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,350

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 23,186 रुपए बढ़कर 99,348 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 21,046 रुपए बढ़कर 1,07,063 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इजराइल और ईरान के बीच भी जंग शुरू हो गई है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है।

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इकर) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी लवक्ऌ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

रानी दुर्गावती के नाम पर चिड़ियाघर -रेस्क्यू सेंटर बनाए जाने की घोषणा

रानी दुर्गावती की वीरता-पराक्रम भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रानी दुर्गावती अपने नाम के अनुरूप मां दुर्गा के समान वीर और पराक्रम की प्रतिमूर्ति थीं। आज उनका बलिदान दिवस है। रानी दुर्गावती का जन्म लगभग 500 वर्ष पहले हुआ था। अमेरिका सहित पश्चिम के देशों को सामान्य तौर पर संस्कृति में अग्रणी माना जाता है, लेकिन भारत का गौरवशाली अतीत रहा है। आदिवासी अंचल की रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई नारी सशक्तिकरण की सबसे बड़ी उदाहरण हैं। रानी दुर्गावती के पिता ने 500 साल पूर्व उन्हें घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कौशल में निपुण बनाया था। मुख्यमंत्री डॉ यादव मंगलवार को जबलपुर के नर्रई नाला स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद बारहा ग्राम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर का ठाकुरताल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। यहां भोपाल के वन विहार की तर्ज पर एक आधुनिक चिड़ियाघर (रेस्क्यू सेंटर एवं जू) बनाया जाएगा, यह सेंटर गौंडवाना साम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती को समर्पित होगा। यह वन्यप्राणी रेस्क्यू सेंटर रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा। राज्य सरकार रानी दुर्गावती सहित सभी महान हस्तियों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने मैराथन जैसे आयोजनों के लिए नगर निगम जबलपुर को 5 लाख रुपए और कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति देने वाले प्रत्येक लोक कलाकार को 5-5 हजार रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मोटे अनाज के प्रोत्साहन एवं उपार्जन के लिए रानी दुर्गावती के नाम पर योजना की प्रारंभ की है। रानी दुर्गावती ने अपने जीवनकाल में 52 लड़ाइयां लड़ीं और 51 में विजय श्री प्राप्त की। उनके गौंडवाना साम्राज्य में 23 हजार गांव शामिल थे। वीर रानी दुर्गावती ने 3 बार मुगल सेना को धूल चटाई थी। राज्य सरकार ने उनकी वीरता की कहानियों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया है। यह विरासत से विकास का एक क्रम है। वीरांगना दुर्गावती ने जल संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रयास किए थे। उनके साथ इसी स्थान पर विश्वासघात हुआ था और उन्होंने वीरतापूर्वक अपना बलिदान कर दिया था। रानी दुर्गावती भी चंद्रशेखर आजाद की तरह आजाद रहीं दुश्मन उन्हें कभी हाथ नहीं लगा पाया।

महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की भावना

उन्होंने वीरांगनाओं को याद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में रानी अवंतीबाई व रानी लक्ष्मीबाई की शौर्य व पराक्रम की अद्भुत गाथा है। वर्तमान समय में आदिवासी अंचल की बहन राष्ट्रपति पद को गौरवांवित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि परिसीमन के बाद विधानसभा चुनाव में बहनों को भी 33 प्रतिशत आरक्षण देने की भावना है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कार्यक्रम के दौरान रानी दुर्गावती मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक रानी दुर्गावती को समर्पित करते हुए गोंडवाना की धरती पर करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों 10 करोड़ रुपए की राशि समाधि स्थल के विकास के लिए स्वीकृत कराई गई थी। समाधि स्थल को और भव्य तथा आकर्षक बनाने के लिए केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से और राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में रानी दुर्गावती का यह समाधि स्थल महाकौशल के लिए नहीं बल्कि पूरे देश में नारी शक्ति के बलिदान की जीती जागती मिसाल होगी।

शॉट न्यूज

सड़क किनारे खड़े कंडम वाहन मालिकों पर अब जुर्माना भी

भोपाल। सांसद आलोक शर्मा की मीटिंग के बाद भोपाल में सड़क किनारे खड़े कंडम वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है। पिछले चार दिन में 200 से ज्यादा कंडम वाहन हटाए, या फिर जब्त किए जा चुके हैं। इन वाहनों के मालिकों पर अब नगर निगम जुर्माने की कार्रवाई भी करेगा। ये वाहन सफाई व्यवस्था में भी बाधक बन रहे हैं। ऐसा ही मामला वार्ड नंबर-38 स्थित वर्धमान ग्रीन कॉलोनी में सामने आ चुका है। कई दिन से सड़क किनारे खड़ी कार की वजह से सफाई नहीं हो पा रही थी। इस कारण वाहन मालिक पर 2 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। ऐसी ही कार्रवाई लगातार चलेगी। अफसरों ने बताया कि मुख्य सड़कों के अलावा यदि किसी कॉलोनी की सड़क किनारे भी कंडम गाड़ियां लंबे समय से खड़ी है तो मालिक पर जुर्माना किया जाएगा।

सरकारी शिक्षिका नशे में पहुंची स्कूल, हंगामा

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के एक सरकारी स्कूल में शराबी शिक्षिका का हंगामा करते वीडियो सामने आया है। यह मामला मनावर तहसील के ग्राम सिंघाना प्राथमिक विद्यालय का है, जहां पदस्थ शिक्षिका कविता कोचे के खिलाफ गंभीर आरोपों की शिकायत सामने आई है। विद्यालय के प्राचार्य और अन्य शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से दी गई लिखित शिकायत में उल्लेख किया गया है कि कोचे मैडम द्वारा आए दिन शराब के नशे में विद्यालय आकर स्टाफ और विद्यार्थियों के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है, जिससे विद्यालय का वातावरण प्रभावित हो रहा है। शिक्षकों का कहना है कि कोचे मैडम का यह व्यवहार न केवल स्कूल के अनुशासन को ठेस पहुंचा रहा है, बल्कि बच्चों के मानसिक विकास और अनुशासन पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।

जमीन को लेकर तीन भाइयों में खूनी संघर्ष

सतना। एमपी के सतना जिले में जमीन के टुकड़े ने एक बार फिर खून से रिश्ता धो डाला है। जिले के सिंहपुर थाना अंतर्गत चोरवरी गांव में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। जिसमें दो छोटे भाइयों ने मिलकर अपने बड़े भाई की बेरहमी से हत्या कर दी है। हत्या की वजह कुछ गज जमीन है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। दरअसल, सिंहपुर थाना अंतर्गत चोरवरी गांव में देर रात जयराम कुशवाहा (55) अपनी पत्नी के साथ खेरवा स्थित अहरी में सो रहा थे। तभी उनके छोटे भाई लालमन और मोहन कुशवाहा अपने बेटों रामशरण और ब्रज किशोर के साथ वहां पहुंचे। चारों ने मिलकर जयराम को जबरन घसीटकर पुराने घर ले गए और वहां लाठियों से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था। घटना के वक्त जयराम का बेटा रविशंकर पास में ही भैंस के लिए बाउंड्री बना रहा था।

हवलदार के पद रहा पदस्थ

फायरिंग रेंज में ट्रेनिंग के दौरान हादसा जवान के सिर पर गिरा

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आर्मी फायरिंग रेंज सुखी सेवनिया थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां ड्रोन से ट्रेनिंग के दौरान लोहे का डमी बम एक जवान के सिर पर गिर गया, जिससे उसकी हो गई। इस घटना से हड़कंप मच गया। मृतक जवान का नाम विजय सिंह था वह सेना में हवलदार के पद पर था। उनकी तैनाती बैरागढ़ स्थित सेना कार्यालय में थी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हादसा

जानकारी के मुताबिक घटना सूखी सेवनिया क्षेत्र के आर्मी फायरिंग रेंज की है। सेना की फायरिंग रेंज में ड्रोन से बम गिराने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। सोमवार को विजय सिंह एक नियमित ट्रेनिंग के लिए फायरिंग रेंज पहुंचे थे। वो ड्रोन बम गिराने की ट्रेनिंग ले रहे थे। इस दौरान अचानक एक लोहे का डमी बम जवान के सिर पर गिर पड़ा। फायरिंग रेंज में सेना के जवानों को ड्रोन से बम गिराने और उससे बचाव की तकनीक की ट्रैनिंग दी जा रही थी। बताया जा रहा है कि उड़ान भर रहे एक ड्रोन में लोहे का डमी बम रखा गया, जिसे एक निर्धारित जगह पर गिराया जाना था, लेकिन बम जवान विजय सिंह के ऊपर गिर गया। डमी बम का वजन करीब 4 किलो से ज्यादा था। यह 400 फीट की ऊंचाई से गिरा था जिसकी वजह

से जवान को गंभीर चोट आई। जवान को सेना के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मंगलवार को हमीदिया अस्पताल में विजय सिंह के शव का पोस्टमार्टम कराया गया, उसके बाद शव को उनके उत्तराखंड स्थित उनके पैतृक गांव भेज दिया गया।

हादसे की जांच में जुटी पुलिस – माना जा रहा है कि तकनीकी गड़बड़ी और मानवीय चूक के चलते ये हादसा हुआ है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही सूखी सेवनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एएसआई केएस यादव ने बताया कि पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है, ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये हादसा तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ या फिर सुरक्षा मानकों की अनदेखी से हुआ।

पुलिस ने डॉक्टर पर किया प्रकरण दर्ज, जल्द हो सकती है गिरफ्तारी

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इलाज में लापरवाही के चलते एक डॉक्टर पर एफआईआर दर्ज होने का बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक निजी अस्पताल में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर पर आरोप है कि बीते दिनों एक महिला के इलाज के दौरान उन्होंने गंभीर लापरवाही बरती थी।

इलाज में लापरवाही से महिला की मौत

इस लापरवाही के कारण पहले महिला के दोनों पैर काटने पड़े, लेकिन इसके बाद भी उसकी जान नहीं बच सकी। महिला की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ कर डॉक्टर पर केस दर्ज करने की मांग की थी। मंगलवार देर शाम पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग से मिली जांच रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज किया है। खंडवा जिले के ग्राम रोशनाई निवासी ज्योति ओसवाल को 21 मई को शहर के संत रिचर्ड पामपुरी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्हें किडनी संबंधी समस्या थी, जिसके इलाज के लिए अस्पताल के कंसल्टेंट डॉ। वाजिद शेख ने उनके पति मुकेश को ऑपरेशन की सलाह दी। ऑपरेशन के बाद ज्योति के दोनों पैर सुन्न पड़ गए, डॉक्टर ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए इंदौर के अरबिंदो हॉस्पिटल रेफर कर दिया। 23 मई को इंदौर पहुंचे परिजनों को डॉक्टर ने बताया गया कि महिला के शरीर में इंफेक्शन फैल गया है, उनके दोनों पैर काटने पड़ेंगे। परिजनों ने महिला की जान बचाने के लिए सहमति दे दी। लेकिन इसके बाद भी ज्योति की हालत में सुधार नहीं हुआ। 16 जून को उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद गुस्साए परिजन खंडवा के संत रिचर्ड पामपुरी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टर वाजिद शेख के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

पदोन्नति के नए नियमों का विरोध

मंत्रालय में टोपी लगाकर काम कर रहे कर्मचारी-अधिकारी

संवाददाता ● भोपाल

मोहन यादव सरकार द्वारा कर्मचारियों अधिकारियों की पदोन्नति के लिए जारी किए गए नए नियमों के विरोध में आज से मंत्रालय में विरोध शुरू हो गया है। मंत्रालय में पदस्थ अनारक्षित वर्ग के अधिकारी कर्मचारी आज दफ्तर में सरकार के पदोन्नति नियम के विरोध में स्लोगन लिखी टोपी लगाकर काम करने पहुंचे हैं।

वहीं, कल मंत्रालय में सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी एकजुट होकर प्रदर्शन कर आंदोलन की रणनीति बनाएंगे। उधर सपाक्स (स्पीक) ने भी इस मामले को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाने 29 जून को बैठक बुलाई है जिसमें सभी कर्मचारी अधिकारी संगठनों को बुलाया गया है। मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने मंत्रालयीन कर्मचारियों अधिकारियों से कहा है कि अभी नए पदोन्नति नियमों और पुरानी व्यवस्था में पदोन्नति के 36 प्रतिशत पद आरक्षित वर्ग को मिलेंगे। इसमें 20 प्रतिशत एसटी और 16 प्रतिशत एससी वर्ग के लोग होंगे। इसके बाद अनारक्षित वर्ग के लिए जो पदोन्नति के 64 प्रतिशत पद बचेंगे उसमें भी आरक्षित वर्ग के लोग वरिष्ठता के हिसाब से आएंगे और अनारक्षित वर्ग का हक मारेंगे। उन्होंने कहा कि आरक्षित वर्ग का कोई व्यक्ति ऊंचे पद पर पहुंचता है तो लम्बे समय तक रहता है और सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग का अधिकारी कुछ समय के लिए ही पद पर रहकर रिटायर हो जाता है। क्या हमारा प्रदेश की और राष्ट्र की उन्नति में कोई योगदान नहीं है। क्या सामान्य और पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के लोग साइबेरिया से आए हैं। इस तरह की तुष्टिकरण की कार्यवाही सरकार क्यों कर रही है। दूसरी ओर सपाक्स (स्पीक) के अध्यक्ष डॉ केएस तोमर ने कहा कि मंगलवार को मंत्रालय में हुई मीटिंग में वह भी शामिल हुए थे। कर्मचारियों, अधिकारियों को लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 के उन प्रावधानों की जानकारी दी गई है जो अनारक्षित वर्ग का हक मारने वाले हैं। तोमर ने कहा कि सरकार तो अनारक्षित वर्ग की बात ही नहीं सुनना चाहती है, इसलिए आंदोलन और कोर्ट जाने के अलावा इस वर्ग के पास कोई रास्ता नहीं बचा है। ऐसे में 29 जून को राजधानी के नार्मदीय भवन में इस वर्ग के हितों को लेकर रणनीति बनाने सभी कर्मचारी अधिकारी संगठनों की बैठक बुलाई गई है।

विरोध

मीडिएशन सेंटर के एक्सपर्ट करें दंपती में सुलह का प्रयास : हाईकोर्ट

संवाददाता ● जबलपुर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के बीच सुलह की कोशिश के तहत दिल्ली हाईकोर्ट के मेडिएशन सेंटर के विशेषज्ञ को मध्यस्थता का जिम्मा सौंपा है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने दंपती को 2 जुलाई को विशेषज्ञ के समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया है। याचिका पर अगली सुनवाई 31 जुलाई को निर्धारित की गई है।

आदेश

रीवा रोड, सतना निवासी मेघा गांधी द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया था कि पारिवारिक विवाद के

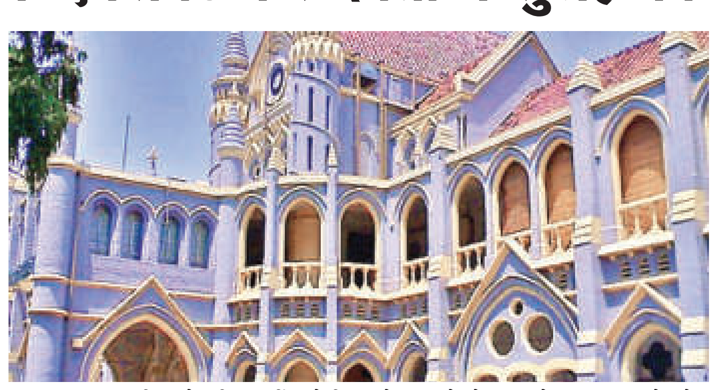

कारण वह अपनी साढ़े तीन वर्षीय बेटी के साथ पति से अलग रह रही थीं। 20 मार्च को जब वह अपनी बेटी के साथ बाजार गई थीं, उस दौरान बच्ची कार में बैठी थी और वह दुकान में सामान लेने चली गईं। इसी बीच उनके पति राहुल बेटी को कार से लेकर चले गए। राहुल ने फोन कर बताया कि बच्ची उसके साथ है। इसके बाद मेघा ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे मजबूर होकर याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य शासन, गृह सचिव, एसपी सतना, थाना प्रभारी सतना कोतवाली और पति राहुल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। साथ ही पति को बच्ची के साथ अगली सुनवाई में उपस्थित होने का आदेश दिया गया था। पिछली सुनवाई में पति-पत्नी ने अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा। युगलपीठ ने पाया कि कोई गंभीर ऐसा मुद्दा नहीं है, जिसका समाधान न हो सके। अदालत ने कहा कि बच्चों के लिए दोनों माता-पिता की भूमिका अहम होती है। युगलपीठ ने दंपति को आपसी समझौते से विवाद सुलझाने की सलाह दी। इस दौरान बच्ची पिता की कस्टडी में रहेगी और मां उससे मिल सकेंगी। हाल की सुनवाई में दंपति ने अदालत को बताया कि उनके बीच बातचीत चल रही है।

एमडी हर सप्ताह करेंगे रिव्यू, अक्टूबर में पीएम मोदी कर सकते हैं शुभारंभ

राजधानी में मेट्रो के लिए सितंबर की डेडलाइन

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल मेट्रो के बचे हुए काम अब तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। सभी काम सितंबर तक खत्म करने की डेडलाइन तय की गई है। इसके बाद अक्टूबर या नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो की शुरुआत कर सकते हैं। अभी एम्स, अलकापुरी और डीआरएम तिराहा स्टेशनों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। खासतौर पर इनकी एंट्री और एग्जिट पर काम तेजी से चल रहा है। मेट्रो के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य हर हफ्ते काम की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने मेट्रो डिपो और स्टेशनों का दौरा किया। डिपो में रैम्प, कंट्रोल रूम, ट्रेनिंग बिल्डिंग, टेस्ट ट्रैक और मेंटेनेंस बे जैसे हिस्सों का निरीक्षण किया गया और जल्दी काम पूरा करने को कहा गया है। अब पूरा फोकस इसी बात पर है कि तय समय में काम खत्म हो और भोपाल में मेट्रो सेवा की शुरुआत हो सके। एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने कॉन्ट्रैक्टर को निर्देश दिए हैं कि मेट्रो निर्माण स्थलों पर ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त रखें, ताकि बारिश के दौरान काम में कोई रुकावट न आए। उन्होंने कहा कि जलभराव की स्थिति से बचने के लिए पहले से तैयारी की जाए।

समीक्षा

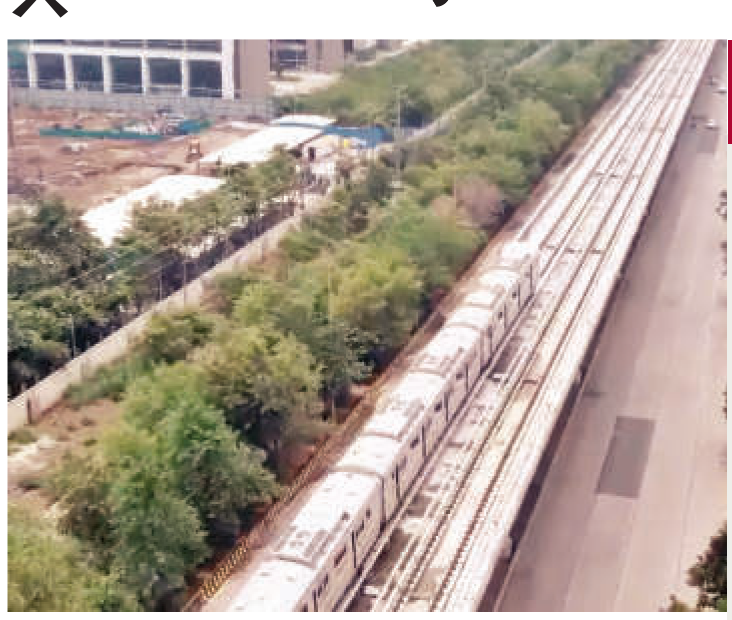

कमर्शियल रन से पहले दो चरणों में होगी तकनीकी जांच

इंदौर में 31 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेट्रो का वर्चुअल उद्घाटन किया था। अब अगला फोकस भोपाल मेट्रो पर है।भोपाल मेट्रो के डिपो के अधूरे कामों के साथ-साथ एम्स, अलकापुरी और डीआरएम तिराहा स्टेशनों पर एंट्री-एग्जिट, सिविल वर्क, सिस्टम, रोलिंग स्टॉक, ट्रैफिक, सिग्नलिंग और आंतरिक व बाहरी निर्माण कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। इन्हें अगस्त-सितंबर तक हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके बाद RDSO (रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन) की टीम भोपाल मेट्रो की तकनीकी जांच करेगी। इसके लिए सभी जरुरी दस्तावेज पहले ही जमा किए जा चुके हैं। RDSO की अनुमति के बाद, CMRS (कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी) की टीम अंतिम निरीक्षण करेगी। ओके रिपोर्ट मिलने के बाद ही भोपाल मेट्रो में यात्रियों की आवाजाही शुरु हो सकेगी।

साल 2018 में शुरु हुआ था काम - भोपाल में मेट्रो का पहला रुट एम्स से करोंद तक 16.05 किलोमीटर लंबा है। इसमें से 6.22 किमी एम्स से सुभाष नगर के बीच का काम प्रायोरिटी कॉरिडोर के रुप में 2018 में शुरु हुआ था। सुभाषनगर से आरकेएमपी स्टेशन तक काम पूरा हो गया है। इसके आगे अलकापुरी, एम्स और डीआरएम मेट्रो स्टेशन तक ट्रैक का काम हो चुका है और मेट्रो यहां तक पहुंच चुकी है। वहीं, दोनों स्टील ब्रिज की लोड टेस्टिंग भी की जा चुकी है।

करिश्मा का सलमान पर क्रश, अभिषेक से टूटी सगाई

बॉलीवुड की नंबर वन हीरोइन रही करिश्मा कपूर ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज किया। करोड़ों दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस का रियल लाइफ में कई बार दिल टूटा है। बॉलीवुड के कई सितारों के साथ उनकी नजदीकियों के चर्चे रहे, लेकिन किसी के साथ उनका प्यार मुकम्मल नहीं हुआ। उन्हें प्यार में धोखा और बदनामी ही मिली है। शादी हुई तो 13 साल के बाद तलाक भी हो गया। करिश्मा कपूर ने अपने एक्स हसबैंड पर आरोप लगाया था कि हनीमून के दिन संजय ने अपने दोस्तों के साथ सोने के लिए मजबूर किया था। जब उन्होंने ऐसा करने से मना किया तो संजय ने उनकी पिटाई की थी। यहां तक कि दोस्तों के बीच उनकी बोली लगाई गई थी। करिश्मा कपूर ने 16 साल की उम्र में फिल्म 'प्रेम कैदी' से एक्टिंग डेब्यू किया था। हर किसी ने करिश्मा की एक्टिंग की तारीफ की, लेकिन उनके चाचा ऋषि कपूर फिल्म में करिश्मा के स्विमसूट पहनने पर नाराज थे। 'स्टारडस्ट' से बातचीत के दौरान करिश्मा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। एक्ट्रेस ने कहा था, 'जब लोग 'प्रेम कैदी' देखकर थिएटर से बाहर निकले, तो किसी को भी स्विमिंग कॉस्ट्यूम याद नहीं आया। हर कोई फिल्म में सिर्फ मेरी एक्टिंग की बात कर रहा था। जब मेरे पेरेंट्स को दिक्कत नहीं थी, तो किसी और को क्यों होनी चाहिए? लोग क्या चाहते थे कि मैं क्या करूं? साड़ी पहनकर पूल में कूदूं? कितनी बेवकूफी है। और वैसे भी, स्विमसूट पहनने में क्या बुराई है? क्या दूसरे नॉर्मल टीनेजर इसे नहीं पहनते? ये तो रही करिश्मा कपूर के डेब्यू फिल्म की बात, लेकिन कपूर फैमिली से ताल्लुक रखने के बाद भी करिश्मा के लिए फिल्मों की राह इतनी आसान नहीं रही। इसके लिए उन्हें परिवार से बगावत तक करनी पड़ी। ऐसा कहा जाता है कि कपूर खानदान में महिलाओं के फिल्मों में काम न करने की परंपरा पृथ्वीराज कपूर ने शुरू की थी। वे इस बात के सख्त खिलाफ थे कि परिवार की बहू-बेटियां फिल्म इंडस्ट्री में काम करें, लेकिन इस परंपरा को करिश्मा कपूर ने तोड़ा।

कौन जीतेगा चुनाव, प्रधान जी को गोली किसने मारी?

लोकप्रिय कॉमेडी-ड्रामा वेब सीरीज 'पंचायत' की बहुप्रतीक्षित चौथी किस्त 'पंचायत सीजन 4' 24 जून 2025 रिलीज हो चुकी है, जिसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन चंदन कुमार और दीपक कुमार मिश्रा ने किया है, जबकि इसका निर्माण किया है द वायरल फीवर (TVF) ने किया है। मुख्य भूमिकाओं में जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, चंदन रॉय, संविका, दुर्गेश कुमार और अशोक पाठक नजर आ रहे हैं। शो के नए सीजन को लेकर दर्शक काफी उत्साहित थे और अब जब ये आ गया है तो लोगों के उत्साह के साथ कई सवाल भी हैं, जिनके जवाब इसमें देखने को मिल रहे हैं। इस सीजन में क्या कुछ नया है और क्या रोमांचक देखने को मिलेगा, पहले ही जानें। 'पंचायत' के सीजन 4 में एक बार फिर मंजू देवी और क्रांति देवी के बीच चुनावी जंग देखने को मिल रही है। दोनों ही आपस में भिड़ती नजर आ रही है। शो की कहानी इस बार प्रधानी के चुनाव के इर्द-गिर्द है। इस चुनाव में मंजू देवी या क्रांति देवी इलेक्शन लड़ रही हैं। अब ऐसे में सवाल ये आता है कि आखिर मंजू देवी या क्रांति देवी में से कौन चुनाव जीतेगा?

जोजो ला रहा है 'गड़बड़ घोटालो' ठहाकों, ट्विस्ट और देसी पागलपन से भरी एक नई गुजराती ओरिजिनल सीरीज़

क्या होता है जब दो नौसिखिए जासूस एक मामूली-सी लगने वाली केस को सुलझाने निकलते हैं, लेकिन खुद को एक पूरे अपहरण के झमेले में फंसा हुआ पाते हैं और वो भी ऐसे गांव में, जो ऊपर से सीधा-सादा लगता है, लेकिन अंदर से बेहद रहस्यमय है! 'गड़बड़ घोटालो' की अफरा-तफरी, सस्पेंस और हास्य से भरी कहानी जोजो की ओरिजिनल गुजराती सीरीज़ और हँसी, रहस्य और पागलपन का अनोखा मेल है। यह पांच-एपिसोड की सीरीज 27 जून 2025 से सिर्फ जोजो ऐप पर स्ट्रीम होगी और अपने ट्रेलर से ही यह दर्शकों को बांधे रखने का वादा करती है।

कहानी एक ऐसे शांत से दिखने वाले गांव के इर्द-गिर्द घूमती है, जहाँ कई राज़ छुपे हुए हैं। इसमें दो भोले-भाले, लेकिन कन्फ्यूज़ जासूस एक आसान-सी नौकरी समझकर इस केस को ले लेते हैं। जैसे-जैसे वे इसमें गहराई से उतरते हैं, उन्हें एक अजीबोगरीब दुनिया में खींच लिया जाता है जहाँ हैं अतरंगी गांववाले, छुपे हुए इरादे और हर कदम पर चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। ये कहानी गड़बड़, पागलपन और ऐसे पलों की है जो न

सिर्फ हंसाएंगी बल्कि चौंकाएगी और कई बार सोचने पर भी मजबूर कर देगी।

मुख्य भूमिकाओं में कुशल मिस्त्री और पार्थ परमार हैं जिनके साथ जतिन प्रजापति, मौलिक नायक, विशाल पिथाडिया, जय वाधवानी, जियांश चांगेला, चेतन छाया, मिशेल त्रिवेदी, रजल पुजारा, उर्वी व्यास और ध्रुविका साई नज़र आएँगे। यह पूरी टीम मिलकर छोटे शहर की हलचल और पागलपन को पूरी गर्मजोशी, हास्य और गहराई के साथ पेश करती है। इसका हर किरदार इस कॉमिक थ्रिलर में एक अलग स्वाद भरता है, जिससे यह शो न सिर्फ मज़ेदार बल्कि दिल से जुड़ा हुआ महसूस होता है।

कुशल मिस्त्री और पार्थ परमार कहते हैं,'जब हमने पहली बार कहानी सुनी, तो लगा कि यह तो पूरी तरह पागलपन है। लेकिन इस हँसी और गड़बड़ी के पीछे एक भावनात्मक सफर छिपा हुआ है। हमारे किरदार थोड़े बेढंगे हैं, लेकिन सही करने की कोशिश में लगे रहते हैं। 'गड़बड़ घोटालो' आपको चौंकाता है आप सोचते हैं कि बस हँसी आएगी, लेकिन धीरे-धीरे कहानी आपको भावनाओं से भी जोड़ देती है। हमने एक ऐसा किरदार निभाया है जो हालात से अनजान है लेकिन हार नहीं मानता। वो मूर्ख ज़रूर है, पर दिल से सच्चा और शायद यही वजह है कि लोग उससे जुड़ जाते हैं।'

मौलिक नायक और जतिन प्रजापति का कहना है,'इस पागलपन में एक सच्चाई छिपी है। हम सभी कभी न कभी ऐसी स्थिति में होते हैं, जहाँ कुछ भी प्लान के मुताबिक नहीं चलता और हर कोई बोल रहा होता है लेकिन समझ किसी को नहीं आ रही होती। यही तो है 'गड़बड़ घोटालो' की खासियत। ये वो कहानी है जो आपको बाहर से हँसाती है और अंदर से मुस्कान दे जाती है। किरदार और स्थितियाँ अजीब ज़रूर हैं, लेकिन बहुत सच्ची भी हैं। हमने इसकी शूटिंग में खूब मस्ती की और हमें यकीन है कि वही मस्ती दर्शकों को भी महसूस होगी।'

जोजो के संस्थापक और सीईओ श्री ध्रुविन शाह ने कहा,'जोजो में हम हमेशा ऐसी कहानियों की तलाश में रहते हैं जो नई लगें, लेकिन अपनेपन का अहसास कराएं जो लोगों को जोड़ें, हँसी बाँटें और कुछ खास छोड़ जाएं। 'गड़बड़ घोटालो' वैसी ही एक कहानी है जो ताज़ा, मज़ेदार और उसी जड़ से जुड़ी हुई, जिसे गुजराती दर्शक हमेशा से पसंद करते आए हैं। हमें गर्व है कि हम इसे जोजो ओरिजनल के रूप में पेश कर रहे हैं और दर्शकों को यह मजेदार पागलपन वाली कहानी दिखाने के लिए बेहद उत्साहित हैं।" तो तैयार हो जाइए एक सफर के लिए जहाँ केस सुलझाने से ज्यादा, खुद को बचाना जरूरी हो जाता है और जहाँ गड़बड़ ही नहीं, दिल भी छुपा होता है। हँसी, रहस्य और देसी ड्रामे का फुल टॉस! 'गड़बड़ घोटालो' इस 27 जून से, सिर्फ JOJO ऐप पर।

कई आर्टिस्ट ने अपना जमीर बेच दिया...

एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। फैंस की दीवानगी उनके लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट में देखने को मिलती है। इस साल की शुरुआत में उन्होंने कई लाइव इवेंट किए और उनके कुछ गानों पर पाबंदी भी लगाई गई। खैर, दिलजीत ने अपनी बात फैंस तक हमेशा बुलंद आवाज में पहुंचाई है। इन दिनों वह अपनी अपकमिंग फिल्म सरदार जी 3 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर एक्टर को ट्रोल किया जा रहा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के ज्यादातर कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट भी भारत में बैन कर दिए गए। वहीं, हिंदी सिनेमा के कुछ कलाकारों ने पाकिस्तानी आर्टिस्ट के साथ अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को कैंसिल भी कर दिया। इतना ही नहीं, वाणी कपूर और फवाद खान की अबीर गुलाल भी विवादों में फंस गई थी। इसके बाद अब दिलजीत दोसांझ की अपकमिंग फिल्म पर विवाद शुरू हो गया है, लेकिन उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच सिंगर बी प्राक का एक पोस्ट चर्चा में आ गया है। युवा लोगों के दिलों पर राज करने वाले सिंगर बी प्राक अक्सर हर विषय पर अपने विचार खुलकर पेश करते हैं। दिलजीत दोसांझ की आगामी मूवी पर चल रहे विवाद के बीच उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया। इसे देखने के बाद हर कोई अंदाजा लगा रहा है कि उन्होंने दिलजीत पर निशाना साधा है। दिलजीत की फिल्म को ट्रोल करने वाले बी प्राक की पोस्ट को पसंद कर रहे हैं और इसके समर्थन में सोशल मीडिया पर लिख भी रहे हैं। हालांकि, सिंगर ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिखा है।

आरजे महवश की टैग पर ट्रोलिंग हुई तो डस्टबिन में फेंकी ड्रेस

बोलीं- कसम से भाड़े का नहीं था

आरजे महवश का रीसेंटली एक इवेंट का वीडियो वायरल हुआ था। इसमें उनकी ड्रेस के पीछे टैग था जिसका लोगों ने मजाक उड़ाया था। लोग लिख रहे थे कि वह पहनकर ड्रेस रिटर्न कर देंगी। अब महवश ने खुद अपनी खिल्ली उड़ाने वाले से मजेदार रील बनाई है। इसमें उन्होंने लिखा है कि ड्रेस भाड़े की नहीं थी और उसे डस्टबिन में फेंका है। लोग भी इस वीडियो के मजे ले रहे हैं। महवश ने वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'कसम से भाड़े की नहीं है। अगर जिंदगी में 'पीछे मुड़ के ना देखना' का कोई चेहरा होता होगा तो वो ऐसा होगा। लाफिंग इमोजी के साथ उन्होंने लिखा है, ये हादसा किस-किस के साथ हो चुका है?' वीडियो में दिख रहा है कि महवश अपनी वायरल क्लिप देख रही हैं और ड्रेस से टैग हटाकर ड्रेस को ही डस्टबिन में फेंक रही हैं। दरअसल महवश एक इवेंट में येलो कलर की ड्रेस पहनकर पहुंची थीं। उन्होंने पैप्स को पोज दिए थे।वह जैसे ही पलटीं उनकी ड्रेस पर टैग दिखा। ये वीडियो वायरल हो गया और लोग उनका मजाक उड़ाने लगे। हालांकि कुछ लोगों ने कमेंट्स किए थे कि महवश की ड्रेस पर यह टैग इसलिए है क्योंकि वो खास ब्रैंड

कियारा बायोपिक में बनेगी मीना कुमारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी जल्द ही मां बनने वाली हैं। इस साल उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर डेब्यू किया। हाल ही में उनका नाम मीना कुमारी पर बन रही बायोपिक से जुड़ा। रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक्ट्रेस बड़े पर्दे पर दिवंगत एक्ट्रेस मीना कुमारी का किरदार निभाएंगी। इस तरह के दावों पर डायरेक्टर सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने चुप्पी तोड़ी और लोगों से इस मामले में खास अपील की है। बॉलीवुड के गलियारों में मीना कुमारी की बायोपिक पर खूब चर्चा चल रही है। सिनेमा लवर्स तो इससे जुड़े हर अपडेट को गंभीरता से ले रहे हैं। इस महत्वपूर्ण किरदार के लिए कियारा आडवाणी के नाम की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बीच अब डायरेक्टर सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने तमाम दावों पर सोशल मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया दी। सिद्धार्थ ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट में लिखा कि 'कमाल और मीना' की कास्टिंग से जुड़ी अटकलें लगाने से सभी को बचने का अनुरोध करूंगा। फिल्म की स्क्रिप्ट अभी तैयार हुई है और हमारे पास इसके लिए कास्ट और बहुत कुछ है, तो ऐसे में इससे जुड़ी आधिकारिक घोषणा हमें खुद करने पर काफी खुशी होगी। तब तक मैं सभी से यही गुजारिश करना चाहता हूं कि अनाउंसमेंट होने से पहले किसी भी तरह की अटकलों पर ध्यान ना दें। सिद्धार्थ की लेटेस्ट पोस्ट देखने के बाद लोगों को लग रहा है कि कियारा आडवाणी को मीना कुमारी का रोल ऑफर नहीं हुआ है। हालांकि, डायरेक्टर ने महज अटकलों से बचने की बात कही है। लेकिन उन्होंने कियारा का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया और इस बात को खारिज नहीं किया कि फिल्म में वह काम नहीं करेंगी। खैर, कियारा का नाम जुड़ने के बाद उनका रिएक्शन सामने आया है, तो संभावना यही है कि डायरेक्टर का इशारा कियारा के नाम की ओर ही हो सकता है। फिलहाल इससे जुड़ी आधिकारिक घोषणा का इंतजार सभी को है और इसके बाद ही फिल्म की कास्ट से जुड़ी जानकारी साफ हो जाएगी। वहीं, कियारा आडवाणी ने अभी तक इस मामले में कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

सोशल मैसेज वाली 'सितारे जमीन पर' के सामने

स्ट्रगल कर रही सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5'

आमिर खान की कमबैक फिल्म 'सितारे जमीन पर' लगातार दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो रही है। इसका ट्रेलर देखने के बाद लोगों को कहानी से उम्मीदें तो जगी थीं, मगर फिल्म जनता को इतनी पसंद आएगी ये अनुमान शायद किसी ने नहीं लगाया था। दमदार कंटेंट वाली फिल्में लेकर आते रहे आमिर 'सितारे जमीन पर' में एक बार फिर कॉमेडी के साथ दमदार सोशल मैसेज देने में कामयाब हो रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर इसके दूसरी तरफ एक कहानी बॉलीवुड की सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' के साथ भी चल रही है। बड़े बजट में बनी इस अक्षय कुमार स्टारर फिल्म का थिएटर्स में ये तीसरा हफ्ता है और बॉक्स ऑफिस पर इसकी परफॉरमेंस जिस तरह गिर रही है, वो एक अच्छा संकेत नहीं है। रिपोर्ट्स के हिसाब से 225 करोड़ रुपये के बजट में बनी 'हाउसफुल 5' बॉलीवुड की सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, फरदीन खान, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी और जैकलीन फर्नांडिस जैसे बड़े नामों से भरी स्टारकास्ट भी है। पहले वीकेंड में 90 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन करने वाली 'हाउसफुल 5', जिस तरह स्लो पड़ती जा रही है, वो बॉक्स ऑफिस के लिए एक टेंशन की बात है। पहले हफ्ते में 'हाउसफुल 5' ने 133 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया था। लेकिन दूसरे ही हफ्ते में, सामने कोई बड़ी रिलीज ना होने के बावजूद ये फिल्म सिर्फ 43 करोड़ का ही कलेक्शन कर पाई। यानी एक ही हफ्ते में फिल्म की कमाई एक तिहाई से ज्यादा कम हो गई। अब ट्रेड रिपोर्ट्स बता रही हैं कि बीते वीकेंड 'हाउसफुल 5' ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 8 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया। जबकि सोमवार को इसने 1 करोड़ रुपये से थोड़ी ही ज्यादा कमाई की है। अक्षय की फिल्म को तीसरा हफ्ता पूरा होने में अब 3 दिन बचे हैं और इस फिल्म की कमाई का ट्रेंड देखते हुए कहा जा सकता है कि 3 दिनों में ये 3 करोड़ तक ही कमाई कर सकती है।

अमिताभ बोले - हां, मैं अभिषेक की प्रशंसा करता हूं

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन आमतौर पर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स को जवाब नहीं देते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने कुछ ट्रोल्स को सीधे जवाब दिया है। दरअसल, हाल ही में अमिताभ ने एक फेसबुक पोस्ट पर अपने बेटे अभिषेक को लेकर लिखा था- 'जी हां मैं प्रशंसा करता हूं अभिषेक की तो। इसके बाद एक यूजर ने उनसे पूछा कि वह अपनी बहू ऐश्वर्या और पत्नी जया बच्चन की तारीफ क्यों नहीं करते? इस पर अमिताभ ने जवाब दिया, 'हां मैं उन्हें दिल से सराहता हूं... लेकिन सार्वजनिक रूप से नहीं... महिलाओं के लिए सम्मान है। मंगलवार को भी अमिताभ ने एक पोस्ट री पोस्ट की, जिसमें अभिषेक की तारीफ की गई थी। पोस्ट में लिखा था, 'भैय्यू जी (अभिषेक) एक मेहनती कलाकार हैं। वे हमेशा अपनी कला को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने अपने जीवन में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिनकी पूरी दुनिया ने तारीफ करती है। 'कालीधर लापता' के लिए अग्रिम बधाई।' हाल ही में फिल्म 'कालीधर लापता' का ट्रेलर रिलीज हुआ। फिल्म में अभिषेक के साथ दैविक भगेला और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन मधुमिता ने किया है। अभिषेक इससे पहले 'हाउसफुल 5' में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एवरेज रही थी। उनकी पिछली फिल्में 'बी हैप्पी' और 'आई वांट टू टॉक' ज्यादा सफल नहीं रहीं। वहीं, ऐश्वर्या को आखिरी बार 2023 में 'पोन्नियिन सेल्वन 2' में देखा गया था। जबकि, अमिताभ पिछले साल रजनीकांत के साथ तमिल फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आए थे। नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायणः पार्ट वन' में वह जटायु के किरदार को अपनी आवाज देंगे।

टीम का मौहाल फ्रेंडली बनाकर रखना अच्छी बात, लेकिन कप्तान का खौफ होना सबसे जरूरी

एजेंसी ● नई दिल्ली

क्रिकेट अन्य खेलों के मुकाबले काफी अलग होता है। फुटबॉल हो या फिर हॉकी, ज्यादातर टीम गेम में कप्तान से ज्यादा हेड कोच या मैनेजर की भूमिका होती है। क्रिकेट का खेल कप्तान चलाता है। मैदान से बाहर से कोच समय समय पर भले ही सुझाव शेयर करता है लेकिन बॉलिंग के दौरान कप्तान को मैदान पर अपने विवेक से फैसले लेने होते हैं। सभी खिलाड़ियों को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी भी कप्तान के कंधों पर ही होती है।

खिलाड़ी में कप्तान का खौफ जरूरी

एक खिलाड़ी के अंदर कप्तान का खौफ होना जरूरी होता है। इसकी वजह से मैदान पर खिलाड़ी कंट्रोल में रहते थे। भारतीय टीम की ही बात करें तो 2000 के दशक की शुरूआत में सौरव गांगुली कप्तान हुआ करते थे। वह टीम का पूरा कंट्रोल रखते थे। फिर महेंद्र सिंह धोनी आए। वह भले ही शांत स्वभाव के थे लेकिन खिलाड़ियों को गलती पर फटकार लगाने में धोनी कभी पीछे नहीं रहे। फिर विराट कोहली को कप्तानी मिली। उनका पूरी टीम पर कंट्रोल था।जब विराट ने कप्तानी छोड़ी तो रोहित शर्मा को जिम्मेदारी मिली। रोहित किसी पर गुस्सा निकलने के लिए इंतजार नहीं करते थे। वह मैदान पर पूरी दुनिया के सामने फटकार लगा देते। यही वजह है कि खिलाड़ियों में उनका खौफ होता था। इसके साथ ही वह माहौल भी बनाकर रखते थे। मैदान के बाद खिलाड़ी उन्हें पसंद करते थे तो मैदान पर डरकर रहते थे।

शुभमन गिल को नया-नया टेस्ट का कप्तान बनाया गया है। गिल अभी खुद युवा खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में खिलाड़ियों में मैदान पर कई बार गलतियां की लेकिन गिल का रिएक्शन कुछ खास नहीं रहा। यशस्वी जायसवाल ने मैच में 4 चार छोड़े। इंग्लैंड की टीम जब जीत के करीब पहुंच रही थी तो वह बाउंड्री लाइन के पास डांस कर रहे थे। क्या वह रोहित या विराट के कप्तान रहते ऐसा कर पाते?टीम इंडिया का निचला क्रम पूरी तरह फेल रहा। पहली पारी में आखिरी 7 विकेट 41 रन बनाने में गिर गए दूसरी पारी में आखिरी 6 विकेट सिर्फ 31 रन जोड़ सके। शुभमन गिल को रविंद्र जडेजा से भी सवाल पूछना पड़ेगा। क्या वह ऐसा कर पाएंगे?

शुभमन गिल को अगर सफल कप्तान बनना है तो टीम का मौहाल अच्छा रखने के साथ ही खिलाड़ियों में खौफ बनना होगा। सभी को फ्रीडम हो लेकिन सब अनुशासन में भी रहें। टीम में अधिकतर खिलाड़ी युवा हैं। खिलाड़ी गलती करने के बाद कप्तान से सामने आने से डरे। अगली बार से पूरी कोशिश करे कि वैसी गलती नहीं हो। अभी तो सिर्फ पहला मैच हुआ है। जल्द से जल्द गिल को मैदान पर अथॉरिटी जमानी पड़ेगी।

टीम इंडिया हारी लेकिन दो खिलाड़ियों को बंपर फायदा, बेन डकेट ने भी लगाई लंबी छलांग

एजेंसी ● दुबई

भारत के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में दो शतक की बदौलत आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गए। पहले टेस्ट में पांच विकेट की हार के दौरान पहली पारी में शतक जड़ने वाले भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी पांच स्थान के फायदे से 20वें पायदान पर हैं। भारत ने इंग्लैंड को 371 रन का मुश्किल लक्ष्य दिया था जो मेजबान टीम ने पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

यशस्वी भारतीय बल्लेबाजों में टॉप पर एक ही टेस्ट में दो शतक जड़ने वाले केवल दूसरे विकेटकीपर बने पंत को एक स्थान का फायदा हुआ है। पंत से पहले जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर एकमात्र विकेटकीपर थे जिन्होंने एक ही टेस्ट में दो शतक जड़ने की उपलब्धि हासिल की थी। पंत ने लीड्स टेस्ट में 134 और 118 रन की पारी खेली। पहले पारी में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल टॉप रैंक भारतीय खिलाड़ी हैं। वह चौथे नंबर पर हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अधिक बदलाव नहीं हुआ है। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष पर बने हुए हैं।इंग्लैंड की जीत के दौरान 62 और 149 रन की पारी खेलकर मैन ऑफ द मैच बने बेन डकेट पांच स्थान की छलांग के साथ रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए। डकेट के टीम के साथियों ओली पोप (तीन स्थान के फायदे से 19वें स्थान पर) और जेमी स्मिथ (आठ स्थान के फायदे से 27वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज हैं जबकि टीम के उनके साथी हैरी ब्रूक दूसरे स्थान पर हैं।पहले टेस्ट में गेंद और बल्ले से प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में तीन स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में 163 रन बनाने वाले मुशफिकुर रहीम 11 स्थान की छलांग से 28वें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के ही नजमुल हुसैन शंटो दोनों पारियों में शतक की बदौलत 21 पायदान की लंबी छलांग के साथ 29वें स्थान पर हैं।

रफ्तार का नया बादशाह... गोल्ड जीत किया कमाल, दुनियाभर में भारत का परचम लहराएगा किसान का बेटा!

एजेंसी ● बनारस

23वीं नेशनल जूनियर फेडरेशन चैंपियनशिप में भाटिया एथलेटिक्स अकादमी के एथलीट विवेक पाल ने 1500 मीटर में स्वर्ण पदक जीता। आपको बताते चले 22 जून से 24 जून को बनारस में 23१ नेशनल जूनियर फेडरेशन चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विवेक पाल ने झारखंड के लिए स्वर्ण पदक जीता।

झारखंड के लाल का कमाल

विवेक पाल भाटिया एथलेटिक्स अकादमी का छात्र हैं, जो पिछले 5 साल से बोकारो थर्मल में मेहनत कर रहा है। इस उपलब्धि के लिए भाटिया एथलेटिक्स अकादमी के शुभचिंतक प्रशांत अरोरा, राजा तनेजा अध्यक्ष विजय भाटिया एवं बोकारो जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष अनूप सिंह, जिला एथलेटिक संघ के सचिव गंगाधर यादव, भाटिया एथलेटिक्स अकादमी के प्रशिक्षक अनुभव खाखा, मुकेश कुमार एवं गौतम चंद्रपाल ने हार्दिक बधाई दी।हैरानी की बात यह है कि विवेक पाल बेहद साधारण घर से आते हैं। उनका घर झारखंड के बोकारो में है। उनके घर में पिता, बुजुर्ग मां, एक भाई और एक बहन हैं। विवेक के पिता एक किसान हैं और वो जैसे-तैसे घर का खर्चा उठा रहे हैं। लेकिन विवेक ने दिन रात मेहनत कर नाम कमाया और अब पूरे देश उनको जान चुका है।

विवेक पाल के पिता की उम्र 68 साल है और उनकी माता जी 62 साल की हैं। वह बेहद साधारण घराने से हैं और बोकारो के थर्मल से उनका नाता है। लेकिन नेशनल जूनियर फेडरेशन में पदक जीतकर उन्होंने बड़ा नाम कमा लिया है। आगे-आगे विवेक से पूरे देश को एथलेटिक्स में ऐसे ही उम्मीद होगी जैसे नीरज चोपड़ा से रहती है।

टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट से पहले तेज गेंदबाज को रिलीज किया, मैनेजमेंट ने लिया घर भेजने का फैसला

एजेंसी ● लंदन

भारत के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। युवा तेज गेंदबाज को एहतियातन टीम में शामिल किया गया था लेकिन वह अपने बाकी साथियों के साथ बर्मिंघम जाने वाली बस में नहीं दिखे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। राणा इंडिया ए टीम का हिस्सा थे। उसके बाकी खिलाड़ी इंग्लैंड लायंस के खिलाफ सीरीज के बाद ही वापस लौट आए थे।

बर्मिंघम के लिए रवाना हुई टीम इंडिया

भारतीय टीम स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े 11 बजे लीड्स से बस के जरिए रवाना हुई और तीन घंटे के भीतर बर्मिंघम पहुंचने की उम्मीद है। टीम अब अगले दो दिन तक आराम करेगी और उसके बाद फिर से अभ्यास शुरू करेगी। दूसरा टेस्ट मैच शुरू होने से पहले भारत की कोशिश होगी कि वे सीरीज में बराबरी करें और हेडिंग्ले में मिली हार को पीछे छोड़ सकें। 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट शुरू होगा।पहले टेस्ट में हार के बाद गौतम गंभीर ने हर्षित राणा को लेकर कहा था, 'मैंने अभी तक चयन समिति के अध्यक्ष से बात नहीं की है, लेकिन करूंगा क्योंकि टीम में कुछ चोट से जुड़ी चिंताएं थीं, इसलिए हमने उन्हें बैकअप के तौर पर बुलाया था। लेकिन फिलहाल सब कुछ ठीक लग रहा है इसलिए अगर सभी खिलाड़ी फिट हैं तो वह वापस लौट सकते हैं।'हर्षित राणा की बात करें तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट डेब्यू किया था। वहां खेले दो टेस्ट में उन्होंने 4 विकेट लिए थे। वह चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की हार ने सबका ध्यान खींचा है। यह टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ जब कोई टीम पांच शतक लगाने के बावजूद मैच हार गई। भारत ने इस मैच में कुल 835 रन बनाए थे और पांच बल्लेबाजों ने शतक जमाए, इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा।

शार्दुल ठाकुर का टीम इंडिया से पत्ता काटने पर तुला दिग्गज, दूसरे टेस्ट में इस 'जादूगर' को खिलाना चाहता है

एजेंसी ● नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भारतीय आक्रमण कमजोर नजर आया।इसको मजबूती प्रदान करने के लिए बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में लाना चाहिए और शार्दुल ठाकुर को बाहर करना चाहिए। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले में पहली पारी में पांच विकेट चटकाए, लेकिन अन्य भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और ठाकुर उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं दे पाए।मांजरेकर ने मैच सेंटर लाइव पर कहा, ह्यकुलदीप यादव को वापस आना होगा। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन शार्दुल ठाकुर को बाहर जाना होगा।

उन्होंने कहा, ह्ययह एक बदलाव है जो भारत को करना होगा। जहां तक नीतीश कुमार रेड्डी का सवाल है तो मैंने पहले टेस्ट के लिए उनका समर्थन इस आधार पर किया था कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया था।ह्ल मांजरेकर ने कहा, ह्यलेकिन वह पर्याप्त विकल्प प्रदान नहीं करता है। वह टीम में चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका में पूरी तरह से खरा नहीं उतर पाएगा इसलिए भारतीय टीम प्रबंधन को कड़ा फैसला लेना होगा। हमें यहां की परिस्थितियों में अपने सर्वश्रेष्ठ आक्रमण के साथ करना होगा और इसके लिए मैं एक तेज गेंदबाज कम रखूंगा और कुलदीप को अंतिम 11 में शामिल करूंगा। उसे खेलना ही होगा।

मांजरेकर ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां पहले की तरह तेज गेंदबाजी के अनुकूल नहीं हैं, जिससे भारत को दो मुख्य स्पिनरों के साथ खेलने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यहमें यह स्वीकार करना होगा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां पहले की तरह नहीं है और मौसम काफी हद तक शुष्क है जिससे स्पिन गेंदबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अब समय आ गया है जब भारत को दो मुख्य स्पिनर के साथ खेलने पर विचार करना चाहिए।ह्ल मांजरेकर का मानना है कि बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा परिस्थितियों का फायदा उठाने में नाकाम रहे। उन्होंने कहा, ह्यप्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों में सुधार की गुंजाइश है लेकिन जडेजा पहले मैच में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। उन्हें पांचवें दिन विकेट से मिल रही मदद का फायदा उठाना चाहिए था।ह्ल

फीफा क्लब विश्व कप 2025:

बेयर्न म्यूनिख हैरी केन, उत्तरी केरोलिना के शार्लोट में बेनफिका और बेयर्न म्यूनिख के बीच क्लब विश्व कप ग्रुप सी फुटबॉल मैच के दौरान गेंद चूक जाने के बाद घुटनों के बल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए।

अब ऐसे ही सुधरेंगे खिलाड़ी... रवि शास्त्री ने गौतम गंभीर को दी खास सलाह, क्या मानेंगे हेड कोच?

एजेंसी ● लीड्स

नई दिल्लीः पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की पांच विकेट से हार के बाद टीम पर तीखा हमला किया। उन्होंने नए कोच गौतम गंभीर से ड्रेसिंग रूम में सख्त रवैया अपनाने की अपील की। शास्त्री ने कहा कि गंभीर को टीम की समस्याओं को मजबूती से उठाना चाहिए और जो खिलाड़ी बार-बार गलतियां कर रहे हैं, उन्हें जिम्मेदार ठहराना चाहिए। जरूरत पड़े तो कुछ खिलाड़ियों को फटकार भी लगानी चाहिए।

मैच में फील्डिंग की बड़ी चूकें सामने आईं। इंग्लैंड की पहली पारी में ही भारत ने पांच कैच गिराए। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पूरे मैच में चार कैच छोड़े। ये कई महत्वपूर्ण मौके थे, जिनकी वजह से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को वापसी का मौका मिला और मैच का रुख पलट गया। यशस्वी के जीवनदान की वजह से बेन डकेट ने पहली पारी में फिफ्टी और दूसरे में शतक ठोक दिया। ओपी पोप का शतक भी यशस्वी की खराब फील्डिंग की वजह से लगा।रवि शास्त्री ने मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि कोचिंग स्टाफ की इसमें बड़ी भूमिका है। मैच से जो सकारात्मक चीजें हैं, उन्हें जरूर लेना चाहिए। कप्तान के रूप में शुभमन गिल ने अपनी भूमिका से ज्यादा दिया। उन्होंने शतक बनाया और इस मैच में कुल पांच शतक लगे। लेकिन आपको बुनियादी चीजें बेहतर करनी होंगी। कुछ चीजें कप्तान के नियंत्रण में नहीं होतीं, जैसे कैच छोड़ना। यहां टीम को एकजुट होकर मेहनत करनी चाहिए।शास्त्री ने अंत में कहा, 'जब आप बल्लेबाजी करने आएं तो अपनी विकेट को महत्व दें। अगर आप 550-600 रन की स्थिति में हैं, तो मौका गंवाना ठीक नहीं। इन मामलों में कोच को कभी-कभी बहुत सख्त होना पड़ता है। ड्रेसिंग रूम में कड़ाई दिखानी पड़ती है। कुछ खिलाड़ियों को सीधे तौर पर चेतावनी देना जरूरी होता है।'

टीम इंडिया की समस्या सिर्फ फील्डिंग ही नहीं है। भारत की ऊपरी क्रम की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद, दोनों पारियों में निचले और मध्य क्रम का ढह जाना टीम की हार का एक बड़ा कारण बना। इससे इंग्लैंड को वापसी का मौका मिला और वे मैच जीतने में सफल रहे। महत्वपूर्ण मौकों पर टीम में जोश और फोकस की कमी भी नजर आई, खासकर फील्डिंग के समय। इससे ड्रेसिंग रूम में सख्त रवैये की मांग और तेज हो गई है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम!!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 26 जून, 2025
www.adityabharat.com

ग्रीस के चियोस द्वीप पर लगी जगल में आग भारी तबाही मचा रही है। जलवायु संकट और नागरिक सुरक्षा मंत्री यानिस केफालोगियानिस ने पांच अलग-अलग आग की घटना के बीच चियोस का दौरा किया। उन्होंने चेतावनी दी कि द्वीप के विभिन्न हिस्सों में एक साथ लगी आग दुर्घटनावश होने की संभावना नहीं है।

शॉर्ट न्यूज

ऑपरेशन सिंधु- ईरान और इजराइल से 3100 भारतीय लाए गए

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत भारत ने कल 1100 से ज्यादा नागरिकों को निकाला। इसके साथ ही ऑपरेशन सिंधु के तहत निकाले गए लोगों की संख्या 3170 हो गई है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दो चार्टर्ड फ्लाइट्स में 573 भारतीयों, तीन श्रीलंकाई और दो नेपाली नागरिक ईरान से निकाले गए। ईरान से नए जत्थों के साथ, भारत अब तक फारस की खाड़ी के देश से 2,576 भारतीयों को वापस ला चुका है। इजराइल से 161 भारतीयों का पहला समूह जॉर्डन सड़क मार्ग से पहुंचा और मंगलवार सुबह 8.20 बजे अम्मान से चार्टर्ड विमान से दिल्ली पहुंचा। इजराइल से जॉर्डन गए 165 भारतीयों के एक ग्रुप को अम्मान से सी-17 विमान से दिल्ली लाया गया। इसके अलावा, इजराइल से मिस्र पहुंचे 268 भारतीयों के एक अलग जत्थे को शर्म-अल-शेख से सी-17 विमान से निकाला गया और सुबह 11 बजे नई दिल्ली पहुंचाया गया।

अमेरिका में दो भारतीय जिंदा जले

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में हुए सड़क हादसे में हरियाणा के दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ, जब दोनों युवक अपनी जगुआर कार से घूमने जा रहे थे। कार की रफ्तार तेज थी, जो बेकाबू होकर पलट गई। फिर पलटी खाते हुए सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। ट्रक से टक्कर लगते ही कार में आग लग गई, जिसमें दोनों युवक जिंदा जल गए। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड ने किसी तरह आग पर काबू पाया। इसके बाद दोनों को निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। भारतीय समय के अनुसार हादसा सोमवार की रात हुआ। इस घटना के बारे में परिजनों को अब पता चला। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक से टकराने के बाद कार जलती हुई दिख रही है। दोनों मृतकों में से एक युवक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। युवक करनाल और कैथल के रहने वाले हैं। दोनों अपनी जमीनें बेचकर अमेरिका गए थे।

खुफिया रिपोर्ट लीक हुई तो भड़के ट्रंप

ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह नहीं कर पाई अमेरिकी बमबारी

न्यूयॉर्क ● एजेंसी

हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान के तीन परमाणु स्थलों- फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों को सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक करार दिया था। हालांकि, एक नई खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट नहीं हुआ, बल्कि इसे केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेला गया। इस रिपोर्ट के बाद ट्रंप भड़के नजर आ रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया आउटलेट्स पर निशाना साधा। ट्रंप ने आज मीडिया संस्थानों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पेंटागन की प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट को लेकर सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने जो खबर चलाई वह झूठी और देश को कमजोर करने की साजिश है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, फेक न्यूज सीएनएन और फेलिंग न्यूयॉर्क टाइम्स ने मिलकर इतिहास की सबसे सफल सैन्य कार्रवाई को बदनाम करने की कोशिश की है।

12 दिनों का सबसे खतरनाक संघर्ष

ईरान और इजरायल दशकों से एक छद्म युद्ध में उलझे रहे हैं, लेकिन यह 12 दिन का संघर्ष अब तक का सबसे भीषण टकराव रहा। इजरायल के हमलों में ईरान के वैज्ञानिकों और सैन्य अधिकारियों की मौत हुई, वहीं ईरान की मिसाइलों ने इजरायल के कई इलाकों को निशाना बनाया। युद्ध का चरम उस समय आया जब अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया और बदले में ईरान ने मध्य पूर्व में अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अड्डे को निशाना बनाया।

अमेरिका ने ईरान पर दागे थे 'बंकर बस्टर' बम

शनिवार को अमेरिका ने इजरायल के समर्थन में ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों- फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर 'बंकर बस्टर' बमों से हमला किया था। ये बम 18 मीटर कंक्रीट या 61 मीटर जमीन के नीचे जाकर विस्फोट कर सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन का दावा था कि इस हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम समाप्त हो गया है।खुफिया रिपोर्ट का खुलासा25 जून 2025 को, रॉयटर्स और सीएनएन सहित कई समाचार एजेंसियों ने एक प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट नहीं हुआ। पेंटागन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि हमलों ने फोर्दो और नतांज जैसी सुविधाओं के प्रवेश द्वारों को सील कर दिया।

इन्जेक्शन में डेट-रेप ड्रग्स देने का शक, 145 लोग घायल

फ्रांस म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान लोगों पर सुई से हमला

पेरिस ● एजेंसी

फ्रांस में 21 जून को एनुअल स्ट्रीट म्यूजिक फेस्टिवल 'फेते डे ला म्यूजिक' के दौरान कुछ संदिग्धों ने फेस्टिवल में आए लोगों को भीड़ का फायदा उठाते हुए इन्जेक्शन लगा दिए। सिरिंज हमले अक्सर अचानक और छिपकर किए जाते हैं। द गार्डियन के मुताबिक ये स्पष्ट नहीं है कि इन्जेक्शन में डेट-रेप ड्रग्स जैसे रोहिप्नोल या जीएचबी दिए गए या नहीं। ये ड्रग्स लोगों को बेहोश नशे में लाने के लिए इस्तेमाल होते हैं। कुछ पीड़ितों को टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया। कई संदिग्धों ने मौके पर तोड़फोड़ भी की। घटना का विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इन्जेक्शन देने की शिकायत के बाद पुलिस ने 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इससे पहले एक फेमिनिस्ट इन्फ्लुएंसर ने पहले चेतावनी दी थी कि सोशल मीडिया पर महिलाओं को

सिरिंज से निशाना बनाने की बातें हो रही थीं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ये पोस्ट कहां या किसने किए। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि देशभर में 145 लोगों ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की, जिनमें पेरिस में 13 मामले शामिल हैं। पेरिस में तीन लोगों, जिनमें एक 15 साल की लड़की और 18 साल का लड़का शामिल है, ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की। इससे पहले 2022 में भी क्लब, बार और संगीत आयोजनों में सिरिंज हमलों की शिकायतें आई थीं। सरकार ने तब लोगों को सतर्क रहने और सिरिंज से ड्रग दिए जाने की आशंका पर तुरंत पुलिस में शिकायत करने और टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट कराने की सलाह दी थी।

वर्ष 2014-15 से 2024-25 के बीच संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर सालाना 230 करोड़ से ज्यादा रुपए दिए

शास्त्रीय भाषाओं पर 147 करोड़ खर्चे होंगे

नई दिल्ली ● एजेंसी

भाषा नीति

केंद्र सरकार ने वर्ष 2014-15 से 2024-25 के बीच संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर 2532.59 करोड़ रुपए खर्च किए, जो भारत की बाकी पांच शास्त्रीय भाषाओं- तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओड़िया पर किए गए कुल खर्च 147.56 करोड़ रुपए से 17 गुना ज्यादा है। यह जानकारी अंग्रेजी अखबार को आरटीआई (सूचना के अधिकार) के ज़रिए और सार्वजनिक रिकॉर्ड से प्राप्त हुई है।

इस हिसाब से सरकार ने हर साल औसतन संस्कृत पर 230.24 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि बाकी पांच शास्त्रीय भाषाओं पर सालाना औसतन केवल 13.41 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इन पांच भाषाओं में सबसे अधिक धनराशि तमिल को मिली, लेकिन वह भी संस्कृत को मिली कुल राशि का 5% से कम रही। कन्नड़ और तेलुगु को संस्कृत की कुल राशि का 0.5% से भी कम, और ओड़िया तथा मलयालम को 0.2% से भी कम हिस्सेदारी मिली। तमिल, जिसे 2004 में पहली बार 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया गया था, को ग्रांट्स फॉर प्रमोशन ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज़ (GPIL) योजना के तहत 113।48 करोड़ रुपये मिले। यह राशि संस्कृत के प्रचार पर खर्च की गई राशि से 22 गुना कम है, जबकि संस्कृत को 2005 में तमिल के बाद ही शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला था। बाकी चार शास्त्रीय

भाषाओं — कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और ओड़िया — जिन्हें 2008 से 2014 के बीच शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला, उन्हें मिलाकर कुल 34.08 करोड़ रुपये की राशि ही प्राप्त हुई। ध्यान देने वाली बात यह है कि संस्कृत पर हुआ खर्च उर्दू, हिंदी और सिंधी जैसी भाषाओं पर हुए खर्च से भी अधिक है, हालांकि इन तीनों को शास्त्रीय भाषा का दर्जा नहीं मिला है। 2014-15 से 2024-25 के बीच हिंदी, उर्दू और सिंधी पर कुल 1,317.96 करोड़ रुपये खर्च किए गए — जो कि संस्कृत पर हुए खर्च का लगभग 52.04% है।

संस्कृत बोलने वालों की संख्या नगण्य

2011 की जनगणना के अनुसार, तमिल, तेलुगु, मलयालम, ओड़िया और कन्नड़ बोलने वाले लोग भारत की कुल 1.2 अरब आबादी का 21.99% हिस्सा थे। इसके मुकाबले, संस्कृत बोलने वालों की संख्या नगण्य थी। वहीं, हिंदी को मातृभाषा बताने वालों की संख्या 43.63% थी और उर्दू बोलने वालों की संख्या 4.19%। मार्च महीने में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य में संस्कृत और हिंदी के प्रचार की निंदा करते हुए, तमिल संस्कृति को व्यवहारिक समर्थन देने की मांग की। उन्होंने कहा, '...संसद में सेंगोल स्थापित करने के बजाय, तमिलनाडु के केंद्र सरकार के दफ्तरों से हिंदी को हटाइए। खोखली प्रशंसा के बजाय, तमिल को हिंदी के बराबर आधिकारिक भाषा बनाइए और तमिल के लिए संस्कृत जैसी मृत भाषा से ज्यादा फंड दीजिए।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)